दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7

3 फर्जी खातों से 60 करोड़ की हेराफेरी.. व्यापारी समेत दो हिरासत में

5 सत्ता संग्राम 2024 : ...जब अच्छे दिन की आस में मोदीमय हुआ यूपी

8 लीग के जरिए टी20 विश्व कप पर निशाना साधेंगे ये खिलाड़ी

UPHIN51019 | वर्षः 01, अंकः 35 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 25 मार्च, 2024

30 लाख में ली थी फ्रेंचाइजी, 8 माह में 30 करोड़ से ज्यादा कमाए

गोरखपुर में करोड़ों की ठगी

गोरखपुर में आनलाइन कैसीनो के जरिए ठगी के मामले में जेल भेजे गए जालसाजों ने रेड्डी ग्रुप से 30 लाख रुपये में एप की फ्रेंचाइजी लेकर आठ महीने में 30 करोड़ रुपये से अधिक कमा लिए।

गोरखपुर। ऑनलाइन कैसीनो के जरिए जालसाजी के आरोप में कोतवाली पुलिस की ओर से जेल भिजवाए गए आरोपियों का मास्टर माइंड रेड्डी है, लेकिन वह कहां का रहने वाला है, यह कोई नहीं जानता। इस ग्रुप के छह एप हैं, जिसकी बाकायदा फ्रेंचाइजी दी जाती है। फ्रेंचाइजी के लिए 30 लाख रुपये देने होते हैं, वह भी ऑनलाइन ही होता है। उसके बाद एप का लिंक आता है और फिर उसपर बीट लगवा सकते हैं।

गोरखपुर में ऑनलाइन कैसीनो के जरिए ठगी के मामले में जेल भेजे गए जालसाजों ने रेड्डी ग्रुप से 30 लाख रुपये में एप की फ्रेंचाइजी लेकर आठ महीने में 30 करोड़ रुपये से अधिक कमा लिए। पुलिस की जांच में पता चला है कि इनके पास 20 खाते थे। प्रत्येक खाते में 10 लाख रुपये से अधिक प्रतिदिन टर्नओवर होता था। इसके अलावा गोरखपुर में इसी तरह से 30–30 लाख रुपये देकर दो और लोगों ने भी फ्रेंचाइजी ली है, जिसकी जांच पुलिस ने तेज कर दी है। दरअसल, ऑनलाइन कैसीनो के जरिए जालसाजी के आरोप में कोतवाली पुलिस की ओर से जेल भिजवाए गए आरोपियों का मास्टर माइंड रेड्डी है, लेकिन वह कहां का रहने वाला है, यह कोई नहीं जानता। इस ग्रुप के छह एप हैं, जिसकी बाकायदा फ्रेंचाइजी दी जाती है। फ्रेंचाइजी के लिए 30 लाख रुपये देने होते हैं, वह भी ऑनलाइन ही होता है। उसके बाद एप का लिंक आता है और फिर उसपर बीट लगवा सकते हैं।

गोरखपुर में दो लोगों को गिरफ्तार कर एक फ्रेंचाइजी तो सामने आ गई, लेकिन दो और के चलने की भी पुलिस को सूचना है। पुलिस अब उसमें शामिल लोगों की तलाश में जुटी है। उधर, पुलिस मास्टरमाइंड का पता लगा रही है, ताकि नेटवर्क की जड़ तक पहुंचा जा सके।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार कर जेल भेजे गए सिद्धार्थनगर के अजय ने मुंबई में बी –कॉम किया और इसके बाद वहीं पर प्राइवेट नौकरी शुरू कर दी। कंप्यूटर के मास्टर अजय ने वहीं से जालसाजी के नए आइडिया जाने। फिर उसने व्यापारी संजय से संपर्क किया। संजय उसके साथ रुपये लगाने को तैयार हो गया। इसके बाद दोनों ने मिलकर 30 लाख रुपये में रेड्डी ग्रुप से संपर्क कर फ्रेंचाइजी ले ली।

दोनों नौकरानी और कई अन्य लोगों का फर्जी खाता खोलकर पिछले आठ महीने से ठगी की दुकान चला रहे थे। इसके बाद ही दो और लोगों ने शहर में अपनी फ्रेंचाइजी खोली थी, जो दोनों की गिरफ्तारी के बाद से फरार हैं। अब पुलिस उनकी तलाश में लगी है।

इन एप का करते थे इस्तेमाल

रेड्डी अन्ना ऑनलाइन सट्टा गेमिंग पोर्टल अवैध रूप से संचालित ऑनलाइन सट्टा के माध्यम से लाइव कैसीनो, पोकर गेम, लूडो, फुटबाल गेम, ऑनलाइन तीन पत्ती, क्रिकेट, हॉकी, फुटबॉल व अन्य स्पोर्ट्स का संचालन करते हैं, जिसमें लोगों के द्वारा ऑनलाइन सट्टा खेला जाता है। अभियुक्तों ने रेड्डी अन्ना ऑनलाइन सट्टा

गलती किए तो हो जाएंगे बर्बाद, कोई नहीं जीतता

पुलिस की जांच में एक बात तो साफ हो गई है कि इस तरह के ऑनलाइन गेम के चक्कर में जो भी पड़ेगा, उसे बर्बाद होने से कोई नहीं रोक पाएगा। एक बार इस एप पर गए तो सिर्फ खाता खाली ही होना है, आना कुछ नहीं है। पुलिस की ओर से बचाव के लिए सोशल मीडिया की मदद से जागरूक भी किया जा रहा है।

इन बातों का दें ध्यान

– अवैध रूप से संचालित ऑनलाइन सट्टा पोर्टल पर यकीन न करें, इसमें दर्शाए हुए वर्चुअल क्वाइन की निकासी संभव नहीं होती है। यह आपकी मेहनत की कमाई को नुकसान पहुंचा सकता है।

– बैंकों को सूचित किया जाता है कि यदि इस तरह के कोई म्यूल खाते प्रकाश में आते हैं तो इस संबंध में संबंधित को तत्काल सूचित करें।

– बैंक कर्मचारी मात्र अपना टार्गेट पूरा करने के लिए बिना सत्यापन किए बैंक खाता न खोलें।

– आम जनता को यदि कोई सरकारी योजनाओं आदि के लिए बैंक में खाता खुलवाने के लिए कहता है तो उसकी पूरी जानकारी करने के बाद ही खाता खुलवाएं।

– बैंक से संबंधित अपने दस्तावेज (एटीएम, पासबुक, चेकबुक आदि) किसी अन्य को न दें।

– एटीएम पिन, ओटीपी, सीवीवी की जानकारी किसी से शेयर न करें।

यह हुआ था

पुलिस ने मंगलवार को पुर्दिलपुर निवासी संजय और सिद्धार्थनगर के अजय को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। दोनों के पास से पासबुक, 11 लाख रुपये, 10 मोबाइल फोन बरामद किए गए थे। यह सभी रेड्डी के ऑनलाइन कैसीनो की मदद से जालसाजी कर रहे थे। एसएसपी गौरव ग्रोवर ने बताया कि पुलिस ने गिरोह में शामिल दो आरोपियों को जेल भिजवाया है। पूरे प्रकरण की गहराई से जांच की जा रही है। गिरोह में जो भी शामिल होगा, उस पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व विधायक इमरान मसूद ने खरीदा नामांकन पत्र

सहारनपुर। सहारनपुर से पूर्व विधायक इमरान मसूद ने नामांकन पत्र खरीदकर सियासी सरगर्मी बढ़ा दी है। उन्होंने कहा कि जल्दी ही पार्टी द्वारा टिकट की घोषणा कर दी जाएगी। कांग्रेस की तरफ से अभी तक सहारनपुर सीट पर टिकट की घोषणा नहीं हुई है, लेकिन गुरुवार को पूर्व विधायक इमरान मसूद ने नामांकन पत्र खरीदकर अपनी दावेदारी खुलकर पेश कर दी। समय उनके प्रतिनिधि पहल सिंह सैनी कलेक्ट्रेट पहुंचे, जिन्होंने इमरान मसूद के नाम का नामांकन प्त्र लिया। करीब चार माह पहले बसपा छोड़कर दोबारा कांग्रेस का दामन थामने वाले पूर्व विधायक इमरान मसूद शुरूआत से लोकसभा चुनाव की दावेदारी कर रहे थे।

कांग्रेस आला कमान के पास स्क्रैनिंग कमेटी की तरफ से इमरान मसूद के अलावा पूर्व एमएलसी गजे सिंह का नाम भी भेजा गया था। हालांकि अभी तक किसी के नाम पर भी मुहर नहीं लगी है, लेकिन जिस तरीके से इमरान ने नामांकन पत्र लिया है उससे उन्होंने संकेत दे दिए हैं कि उनका टिकट पक्का है।

इस बारे में जब इमरान मसूद से बात की गई तो उन्होने बताया कि देर रात तक घोषणा हो जाएगी। जब उसने पूछा गया कि अगर कांग्रेस से टिकट नहीं मिलता तो क्या करेंगे। इसके जवाब में इमरान ने स्पष्ट कहा कि ऐसा नहीं हो सकता। टिकट हर हाल में मिलेगा।

बरहाल इमरान के नामांकन पत्र लेने के बाद कांग्रेस में हलचल पैदा हो गई है।

शहर का ये चौराहा बनेगा सबसे सुंदर

गोरखपुर। पीडब्ल्यूडी के सहायक अभियंता रोनित सिंह बताते हैं कि चौराहे को शहर का सबसे सुंदर चौराहा बनाने के लिए नए तरीके से डिजाइन की गई है। गोल चबूतरे पर जेपी की मूर्ति रखी जाएगी। चबूतरे पर तीन कोण की एक डिजाइन बनाई गई है, जिसमें घड़ी भी लगाई जाएगी। इससे इसकी खूबसूरती और बढ़गी। गोरखपुर में शहर के सबसे पुराने इलाकों में से एक असुरन चौराहे से होकर गुजरने वालों को जल्द ही बदल रहे गोरखपुर का एक और नजारा दिखेगा। नए बदलाव के साथ यह शहर का सबसे सुंदर चौराहा बन जाएगा। पीडब्ल्यूडी की तरफ से सुंदरीकरण का कार्य कराया जा रहा है। चौराहे पर जहां लोक नायक जयप्रकाश नारायण की मूर्ति लगी है, वहां एक त्रिभुजाकार डिजाइन बनाई जाएगी।

इसके बीच में मूर्ति के चारों तरफ फव्वारा और आकर्षक लाइटें लगाई जाएंगी। पूर्वोत्तर रेलवे के कर्मचारी विनोद राय बताते हैं कि गोरखपुर स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर नौ की तरफ से पहले छोटी लाइन के लिए एक टिकट काउंटर था। एनईआर मुख्यालय गोरखपुर के रेलवे का बड़ा अस्पताल, कारखाना और अन्य दफ्तरों के चलते शहर के लोगों के अलावा महराजगंज और पिपराइच की तरफ से आने वालों का असुरन चौराहे की तरफ से ही स्टेशन पर अधिक आना–जाना होता था।

मेडिकल कॉलेज, पिपराइच, मोहद्दीपुर और धर्मशाला पुल की तरफ से आने वाली मुख्य सड़क इसी चौराहे पर मिलती है। इसके चलते भी यहां अन्य जगहों से अधिक रौनक होती थी। बाद में अतिक्रमण के चलते यह चौराहा सिकुड़ गया था। इधर जब मेडिकल कॉलेज रोड फोरलेन हुआ है, तब चौराहे की भी सूरत बदलने लगी। यहां पीडब्ल्यूडी की तरफ से सुंदरीकरण कराया जा रहा है। चौराहे के चारों तरफ की पक्की दुकानें भी तोड़कर हटा दी गई हैं। अब पिपराइच मार्ग और मोहद्दीपुर मार्ग को भी फोरलेन बनाया जाना है।

पीडब्ल्यूडी के सहायक अभियंता रोनित सिंह बताते हैं कि चौराहे को शहर का सबसे सुंदर चौराहा बनाने के लिए नए तरीके से डिजाइन की गई है। गोल चबूतरे पर जेपी की मूर्ति रखी जाएगी। चबूतरे पर तीन कोण की एक डिजाइन बनाई गई है, जिसमें घड़ी भी लगाई जाएगी। इससे इसकी खूबसूरती और बढ़गी। मूर्ति के चारों तरफ फव्वारा और फसाड लाइटें लगाई जाएंगी। त्रिभुजाकार आकृति के शीर्ष पर एक झंडा भी लगाया जाएगा।

विष्णु मंदिर के पास खुदे असुरन पोखरे के नाम पर पड़ा चौराहे का नाम

चौराहे का नाम असुरन होने को लेकर अलग–अलग तथ्य दिए जाते हैं। स्थानीय निवासी 60 वर्षीय प्रमोद मिश्र बताते हैं–उनका परिवार यहां कई पीढ़ियों से रहता है। ऐसी मान्यता है कि विष्णु मंदिर के पीछे जो विशाल पोखरा था, उसे असुरों ने एक रात में खोदा था। इसीलिए उस पोखरे को असुरन पोखरा कहा जाता था। उस पोखरे के नाम पर ही इस चौराहे का नाम भी असुरन पड़ गया।

वहीं, साहित्यकार रवींद्र श्रीवास्तव जुगानी का कहना है–पहले इस इलाके में असुर जनजाति के लोग रहते थे। धीरे–धीरे जब पेड़ कटने लगे और जंगल रिहायशी इलाकों में तब्दील होने लगे तो असुर जनजाति के लोगों का यहां से पलायन हो गया। कुशीनगर के बौद्ध भिक्षु बुद्ध मित्र भिक्खू और कवि उस्मान ने भी अपनी रचनाओं में गोरखपुर में असुर जनजाति के रहन–सहन का उल्लेख किया है। जब इलाके में एक चौराहा विकसित हुआ तो उसे असुरन नाम की पहचान मिल गई।

छत पर दिखे साजिद की निर्ममता के निशान

लखनऊ। यूपी के बदायूं जिले में कलेजा चीरने वाली वारदात से हर कोई सन्ना है। बदायूं की बाबा कॉलोनी में मंगलवार रात करीब आठ बजे ठेकेदार विनोद ठाकुर के दो बेटों आयुष (13) और अहान (6) की धारदार हथियार से निर्मम हत्या का मामला सामने आया। निर्मम हत्याकांड से इलाका दहल उठा। हत्या की वारदात को अंजाम देकर फरार हुए आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया। दो बच्चों की हत्या के बाद भीड़ भी आक्रोशित हुई। भीड़ ने आगजनी कर तोड़फोड़ भी की। घटना के बाद गुरुवार को दूसरे आरोपी को पुलिस ने बरेली से गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल, कस्बा सखानू का रहने वाला साजिद मृतक बच्चों के घर के सामने सैलून की दुकान चलाता था।

सम्पादकीय

संकीर्णता का कड़वापन

भोजन की घर पहुंच सेवा यानी ऑनलाइन फूड डिलीवर करने वाली कंपनी जोमैटो के हाल में लिए फैसले से देश में शाकाहार और मांसाहार को लेकर नयी बहस छिड़ गई है। भोजन की घर पहुंच सेवा यानी ऑनलाइन फूड डिलीवर करने वाली कंपनी जोमैटो के हाल में लिए फैसले से देश में शाकाहार और मांसाहार को लेकर नयी बहस छिड़ गई है। दरअसल मंगलवार को ज़ोमैटो के सह–संस्थापक और सीईओ दीपेन्द्र गोयल ने ऐलान किया कि 100 फ़ीसदी शाकाहारी खाना पसंद करने वाले अपने ग्राहकों के लिए जोमैटो 'शुद्ध शाकाहारी' डिलिवरी की सुविधा लॉन्च कर रही है। इसे उन्होंने 'शुद्ध शाकाहारी मोड' बताते हुए कहा था कि इसमें वेजिटेरियन खाना ऑर्डर करने वालों को ऐप पर केवल शुद्ध शाकाहारी रेस्त्रां दिखेंगे और उन्हें नॉन–वेज खाना देने वाले रेस्त्रां नहीं दिखेंगे।

दीपेन्द्र गोयल ने कहा था कि हमारे शुद्ध शाकाहारी राइडरों की टोली शुद्ध शाकाहारी रेस्त्रां से खाना लेकर ग्राहकों तक पहुंचाएगी। इसके लिए हरे रंग के डिब्बे होंगे। शुद्ध वेजिटेरियन खाना और नॉन–वेजिटेरियन खाना कभी एक ही बक्से में नहीं पहुंचाया जाएगा। इतना ही नहीं खाना पहुंचाने वाले कर्मी यानी जोमैटो के डिलिवरी पार्टनर को हरे रंग की पोशाक देने का फैसला भी लिया गया था, लेकिन सोशल मीडिया पर शुरु हुए विरोध को देखते हुए यह फैसला रद्द कर दिया गया। दीपेन्द्र गोयल ने कहा कि वेजिटेरियन खाने की डिलिवरी करने वाले अपने राइडरों की टोली को हम बरक़रार रखेंगे लेकिन उन्हें दूसरों से अलग करने वाले हरे रंग की ड्रेस का इस्तेमाल नहीं करेंगे। हमारे नियमित राइडर और शाकाहारी डिलिवरी वाले राइडर लाल रंग के ही कपड़े पहनेंगे।

जोमैटो अपने कर्मियों को किस रंग की पोशाक देता है या अपने बिजनेस को आगे बढ़ाने के लिए कौन से फैसला लेता है, यह उसके अधिकार क्षेत्र का मामला है। लेकिन जब इन फैसलों से भारत की गंगा–जमुनी तहजीब पर सवाल उठने लगते हैं, तो फिर ऐसे मुद्दों पर व्यापक विमर्श की दरकार होती है। जोमैटो ने आम बोलचाल में प्रचलित शुद्ध शाकाहारी शब्द का ही इस्तेमाल अपनी नयी पहल में किया है। लेकिन इस पर कंपनी को ध्यान देना चाहिए था कि शुद्धता पर केवल शाकाहार का ही अधिकार नहीं है। बल्कि इंसानियत की गरिमा इसी में है कि हर किस्म का भोजन शुद्ध रहे और अशुद्धता किसी के हिस्से में नहीं आए। इसी तरह शाकाहार और मांसाहार की सूचना देने के लिए भोजन के पैकेट पर लाल और हरे बिंदु का होना तो ठीक है, लेकिन यह पृथक्करण कर्मियों की पोशाकों में कतई नहीं होना चाहिए। क्योंकि इससे उन कर्मियों के साथ भेदभाव बढ़ने की गुंजाइश रहेगी। जोमैटो ने पोशाक न बदलने का फैसला लेकर ठीक ही किया है।

गौरतलब है कि पिछले कुछ वर्षों में देश में भोजन ने जोड़ने की जगह धार्मिक विभेद को बढ़ाने का काम किया है। घर के फ्रिज में गौ मांस रखे होने के संदेह में अखलाक नामक शख्स की भीड़ ने जिस तरह पीट–पीट कर हत्या कर दी थी, वह समाज में बढ़ते भेदभाव की बड़ी चेतावनी थी। लेकिन उस घटना से कोई सबक नहीं लिया गया और धीरे–धीरे मांसाहार और शाकाहार को लेकर झगड़े बढ़ते गए। कभी हिंदुओं के त्योहारों के वक्त मांस की बिक्री रोकी गई, कभी मंदिरों के आसपास मांस की दुकानें हटाई गईं और कभी सड़क पर मांसाहार बेचने वाले ठेलों को निशाने पर लिया गया। भोजन में धर्मांधता तब भी नजर आई, जब भोजन पहुंचाने वाला विजातीय निकला तो उसकी शिकायत की गई। जोमैटो के साथ भी ऐसा प्रकरण हो चुका है। कुछ वक्त पहले ज़ोमैटो से किसी ने ख़ास धर्म के ही डिलिवरी पार्टनर को भेजने का अनुरोध किया था तब दीपेन्द्र गोयल ने कहा था कि भोजन का मज़हब नहीं होता है। लेकिन अब वही जोमैटो शुद्ध शाकाहारी भोजन पहुंचाने की अलग से व्यवस्था कर रहा है।

देश में जिस तरह हिंदुओं को जगाने का आह्वान लगातार किया जा रहा है और शाकाहार को भोजन की शुद्धता का नया पैमाना बना दिया गया है, उसमें जोमैटो कीइस पहल का स्वागत होना स्वाभाविक है। हालांकि लोगों को यह भी याद रखना चाहिए कि भारत में विशुद्ध शाकाहारी भोजन जैसी कोई परंपरा, संस्कृति या इतिहास नहीं रहा है। बल्कि मांसाहार का चलन हिंदू धर्म में भी खासा प्रचलित है। सवर्ण तबकों से लेकर निचली कही जाने वाली जातियों तक मांसाहार की परंपरा कायम है। मिथिलांचल, कश्मीर, बंगाल, ओडिशा, झारखंड, उत्तराखंड, असम, महाराष्ट्र, गोवा से लेकर समुद्र तटीय इलाकों के लगभग सारे ब्राह्मण मांसाहारी हैं। कुछ इलाकों में पूजा के वक्त बकरे की बलि भी दी जाती है। जब इसे परंपरा का हिस्सा माना जाता है तो फिर मांसाहार को हेय दृष्टि से देखने और शाकाहार को शुद्ध कहने का कोई तार्किक आधार नहीं रह जाता है। फिर भी अब भारत में आहार की आदतें भी राजनीति का विषय बन चुकी हैं। इसी राजनीति के चलते आहार के नाम पर जातीय श्रेष्ठता के दिखावे के मौके भी बढ़ रहे हैं। इस गलत चलन को रोकने के लिए समाज में जागरुक प्रयासों की आवश्यकता है, लेकिन फिलहाल यह चलन बढ़ रहा है।

कुछ समय पहले इंफोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति की पत्नी और अब राज्यसभा सांसद सुधा मूर्ति का एक बयान आया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि मैं जब भी यात्रा पर जाती हूं अपने साथ बैग में खाना भरकर ले जाती हूं और उनका सबसे बड़ा डर ये होता है कि चम्मच का इस्तेमाल शाकाहारी और मांसाहारी दोनों तरह के भोजन में कहीं न किया गया हो। इस बयान को लेकर भी विवाद हुआ था क्योंकि इसमें बहुत से लोगों को जातीय दंभ नजर आया। कई लोगों ने सुधा मूर्ति के दामाद ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋ षि सुनक की तस्वीर शेयर की, जिसमें वो मांस रखी हुई प्लेट को पकड़े हुए हैं।

सुधा मूर्ति ने भले यह बयान अपनी निजी आदत को बताने के लिए दिया हो, लेकिन यह विचारणीय है कि जब आप सार्वजनिक जीवन में होते हैं, तो आपके व्यवहार का असर व्यापक होता है। गांधीजी ने आहार को लेकर कई तरह के प्रयोग जीवन भर किए। उन्होंने मांसाहार को अपने लिए कभी सहज नहीं माना, लेकिन उनकी बातों या व्यवहार में कहीं भी मांसाहार करने वालों के लिए निकृष्टता का भाव नहीं रहा। जब भारत में भोजन की विविधता पहले से कहीं अधिक बढ़ चुकी है। पारंपरिक व्यंजनों के साथ–साथ विदेशी पकवानों का आस्वाद हमारी रसोई में जुड़ चुका है, तब संकीर्णता के कड़वेपन को बाहर करने की जरूरत कहीं अधिक महसूस हो रही है। उम्मीद है जोमैटो इस पर ध्यान देगा।

भाजपा की वित्तीय शक्ति का एक छोटा सा हिस्सा है चुनावी बांड दान

चुनावी बांड योजना 2017 के तहत दानदाताओं और सत्ताधारी दल के बीच लेन–देन भावना को देखते हुए भारत के मुख्य न्यायाधीश डा. डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाले सर्वोच्च न्यायालय का देर से ही सही जागना स्वागत योग्य है

केंद्रीय एजेंसियों की छापेमारी को लेकर भारतीय कॉरपोरेट जगत में इतना डर है कि औद्योगिक घरानों के युवा वंशज जो दूरदर्शी हैं और भाजपा को पसंद नहीं करते, वे भी चुप रहते हैं क्योंकि वे सिर्फ कुछ उदार व्यक्तिगत सोच की खातिर अपनी कंपनियों के भविष्य को जोखिम में डालने के लिए तैयार नहीं हैं। कुल मिलाकर नतीजा यह है कि चुनावों में बराबरी का कोई मौका नहीं है। चुनावी बांड योजना 2017 के तहत दानदाताओं और सत्ताधारी दल के बीच लेन–देन भावना को देखते हुए भारत के मुख्य न्यायाधीश डॉ. डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाले सर्वोच्च न्यायालय का देर से ही सही जागना स्वागत योग्य है। सीजेआई 21 मार्च तक भारतीय स्टेट बैंक से सभी विवरण प्राप्त करने के लिए दृढ़ हैं क्योंकि एसबीआई बांड के कोड नंबरों की निहित महत्वपूर्ण जानकारी प्रस्तुत करने में देरी कर रहा है। एक बार जब यह बिना किसी विवरण को छिपाये एसबीआई द्वारा प्रस्तुत किया जाता है, तो बांड खरीदार और राजनीतिक दल के लाभार्थी की पहचान हो जायेगी।

अब तक उपलब्ध बांड विवरण से पता चलता है कि 12 अप्रैल, 2019 से 15 फरवरी, 2024 (जिस दिन सुप्रीम कोर्ट ने इस योजना को असंवैधानिक घोषित किया था) के बीच कुल 16492 करोड़ रुपये के बांडों की खरीदारी की गयी थी जिनमें से भाजपा को 8250 करोड़ रुपये मिले – यानी कुल राशि का अधिकांश। इसके अलावा, 2018 की शुरुआत से 12 अप्रैल, 2019 को सुप्रीम कोर्ट के आदेश जारी होने तक लगभग 4,000 करोड़ रुपये के बांड खरीदे गये। निःसंदेह उसकी भी अधिकांश राशि भाजपा को मिली होगी।

18वीं लोकसभा के लिए चुनाव सात चरणों में घोषित किए गये हैं, जो 19 अप्रैल से शुरू होकर इस साल 1 जून को समाप्त होंगे। परिणाम 4 जून को घोषित किये जायेंगे।

भाजपा 2024 के चुनावों के लिए भारी राशि खर्च करेगी। चुनावी बांड योजना से एकत्र की गई राशि इसका केवल एक छोटा सा हिस्सा है, शायद उसके राजनीतिक युद्ध कोष का 10 प्रतिशत भी नहीं। इसके अन्य स्रोतों में मुख्य रूप से वह धन शामिल है जो विदेशों से भाजपा वॉरचेस्ट को आता है, मुख्य रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका और एंटवर्प में हीरा बाजार से, जहां गुजराती भारतीयों का वर्चस्व है। अधिकांश दलालों के भाजपा से घनिष्ठ संबंध हैं और वे बहुत अमीर हैं।

इसके अलावा, पारंपरिक व्यापारी और व्यापारिक घराने भी हैं जो दशकों से भाजपा के प्रति मित्रवत रहे हैं।

जमीनी हकीकत यह है कि भाजपा और संघ परिवार के संगठन विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) का भारतीय प्रवासियों में बहुत बड़ा समर्थन आधार है। भाजपा जो खुद को दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी होने का दावा करती है और उसकी सदस्यता 10 करोड़ से अधिक है, उसे अलग–अलग रास्तों से इन फंडों की सुविधा हमेशा मिल सकती है। चूंकि केंद्र में भाजपा का शासन है, इसलिए किसी कानूनी उल्लंघन होने पर भी केन्द्रीय जांच एजेंसियों से पार्टी को कोई खतरा नहीं है। विदेशों से धन की इस दौड़ में कांग्रेस कहीं भी भाजपा के सामने टिकती नहीं है।

पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान, भाजपा नेतृत्व ने तत्कालीन सत्तारूढ़ तेलंगाना राष्ट्र समिति के कुछ विधायकों को रुपये की पेशकश की थी। भाजपा को क्रॉसओवर करने के लिए प्रत्येक को 100 करोड़ रुपये का लालच देने की रपटें प्रकाशित हुई थीं। इससे राज्य की राजधानी हैदराबाद में हंगामा मच गया और हमेशा की तरह भाजपा नेताओं ने इसका खंडन किया।

लेकिन, भाजपा का इस तरह का कदम कोई नयी बात नहीं थी। वास्तव में, जब से 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सत्ता में आई है, तब से भाजपा की चुनावी किटी को मजबूत करने के लिए देश के शीर्ष उद्योगपतियों से धन मांगने की एक जानबूझ कर नीति का पालन किया गया है और इस प्रक्रिया में, शीर्ष उद्योग के लोगों को रियायतें मिलीं और ठेके दिये गये। साझेदारी में भारत के सामूहिक पूंजीवाद का निर्माण करना दोनों के लिए लाभप्रद स्थिति रही है।

2019 के लोकसभा चुनावों के बाद से पिछले पांच वर्षों में, भाजपा ने कर्नाटक तथा मध्य प्रदेश में राज्य सरकारों को अस्थिर करने के लिए करोड़ों रुपये खर्च किये हैं और गोवा और मणिपुर में राज्य सरकारें बनाने के लिए विधायक खरीदे हैं। नवीनतम महाराष्ट्र में था जहां यह स्पष्ट था दिन के उजाले की तरह कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना से एकनाथ शिंदे समूह के दलबदल को सुनिश्चित करने के लिए 200 करोड़ रुपये जुटाये गये थे, जैसा कि कुछ स्रोतों का आकलन है। आखरकिार महाराष्ट्र में शिंदे–भाजपा की सरकार बनी।

केंद्रीय एजेंसियों की छापेमारी को लेकर भारतीय कॉरपोरेट जगत में इतना डर है कि औद्योगिक घरानों के युवा वंशज जो दूरदर्शी हैं और भाजपा को पसंद नहीं करते, वे भी चुप रहते हैं क्योंकि वे सिर्फ कुछ उदार व्यक्तिगत सोच की खातिर अपनी कंपनियों के भविष्य को जोखिम में डालने के लिए तैयार नहीं हैं। कुल मिलाकर नतीजा यह है कि चुनावों में बराबरी का कोई मौका नहीं है। भाजपा अपने विपक्षी प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में दस गुना से अधिक खर्च करने की स्थिति में है और पार्टी के पास जरूरत पड़ने पर बड़े पैमाने पर धन की पेशकश के माध्यम से दल–बदल कराने के लिए एक बड़ी राशि का खजाना है।

मोदी शासन के पिछले दस वर्षों में, भारतीय कॉर्पोरेट क्षेत्र में धन का असामान्य संकेंद्रण हुआ है। एक हालिया अध्ययन से पता चलता है कि भारत की बीस सबसे अधिक लाभदायक कंपनियों ने 1990 में कुल कॉर्पोरेट मुनाफे का 14 प्रतिशत, 2010 में 30 प्रतिशत और 2019 में 70 प्रतिशत कमाया। इसका मतलब है कि केवल पांच वर्षों के दौरान कुछ व्यावसायिक घरानों में मुनाफे की एकाग्रता में भारी उछाल आया है। नरेंद्र मोदी शासन के पिछले पांच वर्षों में यह प्रक्रिया और भी तेज हुई। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले सत्तारूढ़ भाजपा और प्रमुख औद्योगिक घरानों के बीच सांठगांठ और गहरी हो गई है।

पिछले दस वर्षों में कॉर्पोरेट एकाग्रता के बारे में महत्वपूर्ण बात यह है कि मोदी की एक राष्ट्र एक बाजार अवधारणा ने क्षेत्रीय कंपनियों के मुकाबले बड़ी कंपनियों का पक्ष लिया है। मोदी सरकार की नीतियों ने बाजार में प्रतिस्पर्धा को कम करने की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाया है और परिणामस्वरूप, दस साल के मोदी शासन के बाद, दूरसंचार, एयरलाइंस, स्टील, सीमेंट, एल्यूमीनियम जैसे प्रमुख क्षेत्रों में केवल दो से तीन बड़े खिलाड़ी हैं जो बाजार के 59 फीसदी से भी ज्यादा पर नियंत्रण रखते हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रकृति पर इस मोदी सरकार तथा मित्र पूंजीपतियों के मेलजोल का कुल परिणाम क्या है? जैसा कि डॉ. प्रणब बर्धन देखते हैं, घनिष्ठ कुलीन वर्ग मुख्य रूप से उच्च विनियमित क्षेत्रों में गैर–व्यापारिक वस्तुओं में काम करते हैं जहां सरकारी अनुग्रह प्राप्त करना विदेशी बाजारों में प्रतिस्पर्धा करने की आवश्यकता से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। भाजपा की नयी संरक्षणवादी व्यवस्था जिसे आत्मनिर्भरता के नाम से जाना जाता है, आयातित इनपुट को अधिक महंगा बना देती है और निर्यात को कम प्रतिस्पर्धी बना देती है। इसका परिणाम कम उत्पादकता, कुलीनतंत्रीय–निरंकुश अर्थव्यवस्था है। यह द इकोनॉमिस्ट में दिये गये आंकड़ों से स्पष्ट है, जो दर्शाता है कि 2016 से 2021 के बीच भारतीय अरबपतियों की सम्पत्ति 29 से बढ़कर 43 प्रतिशत हो गई है, और उनकी कमाई रेंट–थिक सेक्टर से आई अर्थात रॉयल्टी और निवेश से आने वाली आय से न कि विनिर्माण या रिटेल आदि क्षेत्रों में सीधी बिक्री से।

मोदी शासन के दौरान आम जनता की वास्तविक आय में गिरावट के मुकाबले पूंजीपतियों की संपत्ति में तेजी से वृद्धि हुई है।

विपक्षी दलों को भारतीय घनिष्ठ पूंजीपतियों और मोदी शासन के बीच इस पारस्परिक संबंधों पर ध्यान केंद्रित करना होगा और उनके बीच संबंधों की जांच की मांग करनी होगी, जिससे समान स्तर के खेल के मैदान खत्म हो रहे हैं। ब्लूमबर्ग ने 2019 के लोकसभा चुनाव में राजनीतिक दलों का खर्च लगभग 8.6 अरब अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान लगाया है। 2024 का लोकसभा चुनाव सबसे महंगा होगा। यह आंकड़ा 11अरब अमेरिकी डॉलर से भी अधिक छू सकता है। इस बड़ी रकम का 70 फीसदी हिस्सा भाजपा खर्च कर रही होगी। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को इस बार अपने चुनाव अभियान के वित्तपोषण के लिए संघर्ष करना पड़ेगा।

दो परिवारों की कहानी

कभी एल्विश यादव जैसे त्वरित और क्षणिक सफलता प्राप्त करने वाले लोग युवाओं को लुभा रहे हैं या फिर कभी उन्हें कांवड़ यात्रा या अन्य शोभा यात्राओं में उलझाया जा रहा है। उनकी शिक्षा के बेहतर इंतजाम और नौकरी या व्यवसायों के लिए संसाधन और सुविधाएं जुटाने की जगह उन्हें रील्स और मीम्स का दर्शक बनाकर छोड़ दिया गया है, वहीं सत्ता और संपत्ति से संपन्न लोगों के बच्चे बाहर पढ़ रहे हैं, ऊंची नौकरियां कर रहे हैं।

यूट्यूबर और बिग बॉस का विजेता एल्विश यादव अब जेल की सलाखों के पीछे है। नोएडा की एक रेव पार्टी में सांपों का जहर उपलब्ध कराने के लिए एल्विश को गिरफ्तार किया गया है। रेव पार्टियां यानी गुपचुप तरीके से आयोजित ऐसा जश्न, जिसमें मौज–मस्ती के नाम पर मादक पदार्थों की खरीद–बिक्री और सेवन से लेकर तमाम अनैतिक और अवैध काम किए जाते हैं। साधारण लोग फिल्मों या धारावाहिकों में इस तरह की पार्टियों के दृश्य देखते हैं, लेकिन रेव पार्टियां भारतीय समाज का एक कड़वा सच बन चुकी हैं। कई शहरों के आलीशान रिहायशी इलाकों, फार्म हाउसों में अतिसंपन्न घरों के लोग ऐसी पार्टियां आयोजित करते हैं, इनमें बड़ी भागीदारी युवाओं की होती है। सोशल मीडिया के जरिए गुपचुप तरीके से उन्हें बुलाया जाता है, क्योंकि ऐसी पार्टियां अवैध होती हैं। कुछ घंटों की पार्टी के लिए लाखों रूपए खर्च कर दिए जाते हैं। रेव पार्टी के इस विस्तार में जाने की जरूरत इसलिए पड़ी क्योंकि कुछ वक्त पहले तक राजनेताओं से लेकर कई पत्रकार जिस एल्विश यादव को युवाओं के आदर्श के तौर पर पेश कर रहे थे, वो ऐसी ही एक रेव पार्टी का हिस्सा बनने के लिए अब कानून के शिकंजे में है।

पिछले साल अगस्त में एल्विश यादव बिग बॉस ओटीटी सीजन 2 में वाइल्ड कार्ड से एंट्री लेकर पहुंचा था। बिग बॉस जैसे शो इसीलिए सुर्खियों में रहते हैं, क्योंकि यहां खास तौर पर ऐसी हस्तियों को शामिल किया जाता है, जो किसी न किसी किस्म के विवाद में जुड़े रहते हैं या फिर विवाद पैदा करने की क्षमता रखते हैं। एल्विश यादव ने बिग बॉस में शामिल होने से पहले बतौर यूट्यूबर सफलता हासिल कर ली थी। यहां सफलता से तात्पर्य है कि यूट्यूब पर एल्विश को लाखों लोग देखते रहे हैं। इसलिए बिग बॉस ने अपनी टीआरपी बढ़ाने के लिए एल्विश को प्रतिभागी बनाया। यहां एल्विश का सिस्टम बोलने का तरीका युवाओं के बीच खासा लोकप्रिय हो गया। सोशल मीडिया पर उसकी खूब चर्चा रही। इंस्टाग्राम पर मीम्स और रील्स सिस्टम को लेकर बनने लगे। सोशल मीडिया में ऐसे ही लोग इंफ्लूएंसर कहलाते हैं, मतलब जो समाज को इंफ्लूएंस अर्थात प्रभावित कर सकें। सोशल मीडिया से पहले के दौर में खिलाड़ी, कलाकार, पत्रकार, नेता, उद्यमी ऐसे लोग समाज को प्रभावित करते थे, जो अपने संघर्षों से आगे बढ़े और समाज में अपना मुकाम बनाया। अब सोशल मीडिया पर जिसकी जितनी पहुंच है वो उतना बड़ा इंफ्लूएंसर हो जाता है। विडंबना यह है कि यह इंफ्लूएंस केवल सोशल मीडिया पर नहीं रहता, बल्कि इसे समाज में स्वीकृति दिलाने का काम अब राजनेता और पत्रकार करने लगे हैं। कम से कम एल्विश यादव के प्रकरण से ऐसा ही लगता है। बिग बॉस में रहने के दौरान ही मीडिया ने एल्विश यादव की तारीफ के कशीदे काढ़ने शुरु कर दिए थे कि कैसे उसने साधारण परिवार से उठकर आलीशान जीवन तक का सफर तय किया। एल्विश के करोड़ों के घर और गाड़ियों की चर्चा होने लगी। इसी तरह बिग बॉस जीतने के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने गणपति महोत्सव में एल्विश यादव को आमंत्रित किया। हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने तो एक कार्यक्रम में यहां तक कह दिया था कि एल्विश यादव आगे बढ़ेगा तो देश आगे बढ़ेगा।

लेकिन अब एल्विश यादव पर कानूनी शिकंजा कसा हुआ है तो श्री खट्टर सफाई दे रहे हैं कि मेरा उससे पुराना परिचय नहीं था, मुझे लगा वो नशामुक्ति अभियान में जुड़ रहा है, तो मैंने उसकी तारीफ कर दी थी।

अब सवाल ये है कि अगर श्री खट्टर एल्विश को पहले से जानते नहीं थे, तो फिर उन्होंने उसके आगे बढ़ने पर देश के आगे बढ़ने का दावा क्यों किया। क्या श्री खट्टर इस बात से वाकिफ नहीं थे कि जिस पद पर वे बैठे थे, वहां से उनकी कही बात को देश के लोग गंभीरता से लेते हैं या एल्विश यादव की लोकप्रियता को अपने सियासी फायदे के लिए मनोहर लाल खट्टर और एकनाथ शिंदे जैसे लोग भुनाना चाह रहे थे। मीडिया ने भी एल्विश के जिस आलीशान जीवन का खाका खींचा था, उसकी सारी पोल एल्विश के पिता ने ही खोल दी है। एक न्यूज़ चैनल में चर्चा में उन्होंने बताया कि एल्विश के पास जो कार है, वो किश्तों में है, सोशल मीडिया पर प्रभाव बनाए रखने के लिए वो कभी दोस्तों की या किराए की कार अपनी बनाकर दिखाता है। एल्विश एक किराए के घर में अपना स्टूडियो चलाता है और उसके पिता अपनी जमा–पूंजी से अपना घर बना रहे हैं।

मासूम संग छेड़खानी के आरोप में पुलिस थाने लेकर आई, देर रात तबीयत खराब

गोरखपुर। युवक की मौत के बाद नाराज परिजनों ने हंगामा शुरू कर दिया। पुलिस की गाड़ी को रोक दिया। सूचना पाकर प्रभारी एसएसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई मौके पर पहुंचे और मामले को शांत कराने की कोशिश की, लेकिन गुस्साए लोगों ने चंद चौराहे पर जाम लगा दिया। गोला इलाके के राजीव गांधी इंटर कॉलेज के प्रबंधक के शिक्षक भाई पर सात साल की बच्ची से छेड़खानी का आरोप था। शिकायत के आधार पर बुधवार को पुलिस आरोपी विनय कुमार पांडेय उर्फ दीपक (42) को लेकर थाने आई। देर रात उसकी तबीयत खराब हो गई। आनन–फानन पुलिस लेकर अस्पताल गई, जहां उसकी मौत हो गई। परिजनों ने पुलिसवालों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ थाने में तहरीर दी है।

युवक की मौत के बाद नाराज परिजनों ने हंगामा शुरू कर दिया। पुलिस की गाड़ी को रोक दिया। सूचना पाकर प्रभारी एसएसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई मौके पर पहुंचे और मामले को शांत कराने की कोशिश की, लेकिन गुस्साए लोगों ने चंद चौराहे पर जाम लगा दिया। देर रात तक पुलिस मौके पर जाम खत्म कराने के प्रयास में जुटी थी। आरोपों की जांच सीओ गोला को सौंप दी गई है।

जानकारी के मुताबिक, गोला के बाढ़ा बुजुर्ग निवासी चंद्रप्रकाश पांडेय और कृष्ण कुमार

पांडेय राजीव गांधी इंटर कॉलेज के प्रबंधक हैं। गांव के परिवार से इनका विवाद चलता है। प्रबंधक के भाई पर उसी परिवार की एक बच्ची से छेड़खानी का आरोप लगाते हुए परिजनों ने शाम पांच बजे सूचना डायल–112 पर दी।

पुलिस आरोपी को पूछताछ के लिए लेकर थाने पर आई। प्रबंधक का कहना है कि जब पुलिस आई उस समय विनय अपने ब्लड प्रेशर की दवा लेने माल्हनपार चौराहे पर गया था। सात बजे भाई आया तो पुलिस उसे अपने वाहन में बैठाकर थाने ले जाने लगी। इसी दौरान केशवापार चौराहे पर उसे उल्टी होने लगी तो डॉक्टर को दिखाने के लिए कहा, लेकिन वे लोग नहीं माने और थाने लाकर उसको अंदर बैठा दिया।

पुलिस घटना के बारे में पूछताछ कर रही थी कि उसकी तबीयत और बिगड़ गई। मौजूद भाई ने थानेदार को इसकी जानकारी दी। भाई के मुताबिक, पुलिस उसे अस्पताल ले कर गई। जब उन लोगों के साथ हम लोग अस्पताल लेकर आए तो पता चला कि उसकी मौत हो गई है। मृतक विनय का पांच व ढाई वर्ष के दो बच्चे हैं। वह चार भाइयों में तीसरे नंबर पर था।

बच्ची के परिवार से चलता है विवाद

प्रबंधक ने बताया कि छेड़खानी का आरोप लगाने वाली लड़की के परिवार से पुराना विवाद चल रहा है। वे लोग हमारे खेत में घरों का गंदा पानी गिराते हैं। जिसके कारण काफी दिनों से विवाद चला आ रहा है।

थाने की बोलेरो और शव को रोका

मौके पर मौजूद कॉलेज प्रबंधक के सगे–संबंधियों ने थाने की बोलेरो और शव को रोक लिया और उच्चाधिकारियों को फोन से सूचना दी।

मौत के कारण का पता नहल

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ. एएन ठाकुर का कहना है कि अस्पताल आने से पहले ही उसकी मौत हो गई थी। इस कारण यह नहीं बताया जा सकता कि उसकी मौत कैसे हुई है। यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पता चलेगा। एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि सात साल की बच्ची से छेड़खानी के आरोप में पुलिस एक युवक को पूछताछ के लिए लेकर आई थी, तबीयत खराब होने पर तत्काल उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां पर मौत हो गई। मामले की जांच सीओ गोला को सौंपी गई है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

फर्जी खातों से 60 करोड़ की हेराफेरी.. व्यापारी समेत दो हिरासत में

गोरखपुर। अभी तक की पूछताछ में पता चला है कि एक आरोपी सिद्धार्थनगर का रहने वाला है, जिसके संपर्क में मुंबई के कई लोग हैं। इसके अलावा छत्तीसगढ़ के लोगों के भी शामिल होने की आशंका है। पुलिस जांच कर रही है। जल्द ही एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश हो सकता है।

ऑनलाइन जुआ के जरिए जालसाजी करने वाले गिरोह की आशंका में पुलिस ने एक व्यापारी समेत दो लोगों को हिरासत में लिया है। अब तक की जांच में पता चला है कि शाहपुर इलाके के एक घर में किराएदार व्यापारी ने नौकरानी समेत 20 लोगों का निजी बैंक में खाता खुलवाकर 60 करोड़ से अधिक की ठगी की है।

नौकरानी के सामने आने के बाद एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर ने एएसपी अंशिका वर्मा को जांच सौंपी थी, जिसके बाद पुष्टि होने पर पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में ले लिया है। अब तक की पूछताछ में पता चला है कि एक आरोपी सिद्धार्थनगर का रहने वाला है, जिसके संपर्क में मुंबई के कई लोग हैं। इसके अलावा छत्तीसगढ़ के लोगों के भी शामिल होने की आशंका है। पुलिस जांच कर रही है। जल्द ही एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश हो सकता है।

जानकारी के मुताबिक, बिहार के गोपालगंज जिले की रहने वाली लक्ष्मीना देवी नाम की महिला शाहपुर इलाके के जेमिनी अपार्टमेंट में किराए के मकान में रहने वाले व्यापारी के घर नौकरानी थी। शेयर बाजार का काम करने वाले व्यापारी ने अगस्त 2023 में सरकारी योजना का फायदा दिलाने की जानकारी देकर मेडिकल कॉलेज रोड स्थिति निजी बैंक की शाखा में लक्ष्मीना, उसकी ननद और भाभी का खाता खुलवाया। खाते का संचालन वह खुद करता था।

नौकरानी की भाभी का खाता उसके पते पर ही खुला था। दिसंबर 2023 के आखिरी सप्ताह में लक्ष्मीना की भाभी के पते पर बैंक ने चेक बुक भेजा, जिसे पाने के बाद उसने खाते की जांच कराई। पता चला कि किसी तरह से जीवन–यापन कर रही महिला के खाते में करोड़ों का टर्नओवर हुआ है। वह डर गई और लक्ष्मीना को मामले की जानकारी दी। लक्ष्मीना भी बैंक पहुंची तो यह जानकर अवाक रह गई कि बिना उसकी जानकारी के तीनों खाते से करीब 50 करोड़ का टर्नओवर हुआ है।

हेराफेरी में फंसने के डर से इन लोगों ने मुख्यमंत्री के जनता दर्शन में मामले की शिकायत की। एसएसपी ने एएसपी/सीओ कैंट अंशिका वर्मा से जांच कराई तो पता चला कि मामला ऑनलाइन जुआ में जालसाजी का है। सिद्धार्थनगर में रहने वाले अपने साथी की मदद से व्यापारी ने 20 से अधिक लोगों का बैंक में खाता खुलवाया है, जिसके जरिए रुपये की हेराफेरी की जा रही है।

मुंबई और छत्तीसगढ़ के खातों में भेजे गए रुपये

अब तक की जांच में पता चला है कि गोरखपुर में खोले गए खातों में ऑनलाइन रुपये आए हैं। इन रुपयों को नेट बैंकिंग के जरिए ही तत्काल मुंबई और छत्तीसगढ़ के दूसरों खातों में भेज दिया गया। अभी बीस ही खाते सामने आए हैं, लेकिन उम्मीद है कि जल्द ही इस गिरोह में शामिल अन्य लोग और खातों की जानकारी मिल जाएगी।

पीएनबी प्रबंधक और रेलवे अधिकारी से हुई थी जालसाजी

शेयर में ही रुपये कमाने का लालच देकर पीएनबी बैंक के मैनेजर से 32 लाख और रेलवे के इंजीनियरिंग विभाग के एक अफसर से 27 लाख रुपये की जालसाजी का मामला सामने आ चुका है। साइबर पुलिस इन मामलों की जांच भी कर रही है। यह भी देखा जा रहा है कि कहीं यह जालसाजी भी तो इसी गिरोह के लोगों ने तो नहीं की है। एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि नौकरानी और दूसरे लोगों के खाते खोलकर जालसाजी का मामला सामने आया है। पुलिस गहराई से जांच कर रही है। कुछ लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस और साइबर एक्सपर्ट जांच कर रहे हैं, कई अहम जानकारियां मिली हैं। जल्द ही पूरे गिरोह का पर्दाफाश कर लिया जाएगा।

बिहार और नेपाल तक भेजी जा रही बड़े ब्रांड की नकली दवाएं–कितने कमीशन का है खेल

गोरखपुर। दवाओं का पैकेट रोडवेज की बसों से लगायत ऑनलाइन भेजे जा रहे हैं। कोरोना काल के बाद इस धंधे में और तेजी आई है। बीते फरवरी में अपर मुख्य सचिव ने कोडिनयुक्त कफ सीरप पर निगरानी के लिए जारी आदेश में भी इस बात का जिक्र किया है कि दवाएं अवैध तरीके से दूसरी जगहों पर भेजी जा रही हैं। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड की कंपनियों से कई बड़े ब्रांड के रैपर वाली नकली दवाएं गोरखपुर आ रही हैं, जो यहां से बिहार और नेपाल तक जा रहीं हैं। इन दवाओं पर दुकानदार को 50 प्रतिशत तक कमीशन मिलता है। इसकी वजह से नकली दवा का धंधा शहर से लेकर गांवों तक फैल गया है।

दवाओं का पैकेट रोडवेज की बसों से लगायत ऑनलाइन भेजे जा रहे हैं। कोरोना काल के बाद इस धंधे में और तेजी आई है। बीते फरवरी में अपर मुख्य सचिव ने कोडिनयुक्त कफ सीरप पर निगरानी के लिए जारी आदेश में भी इस बात का जिक्र किया है कि दवाएं अवैध तरीके से दूसरी जगहों पर भेजी जा रही हैं।

शहर के बीच बसा भालोटिया मार्केट पूर्वांचल में दवा की सबसे बड़ी मंडी है। यहां हर महीने 25 से 30 करोड़ का टर्न ओवर हो रहा है। एक दवा कंपनी के प्रतिनिधि के तौर पर काम कर चुके राजेश पांडेय बताते हैं कि कोरोना काल में दवा का कारोबार ही ऐसा था, जो चलता रहा। इसे देखकर दूसरे धंधों में लगे कुछ माफिया ने यहां अपना जाल फैला लिया।

चूंकि गोरखपुर से अगल–बगल के जिलों को वैध रूप से भी दवाएं भेजी जा रही हैं, इसलिए धंधेबाजों ने इस वैध नेटवर्क की आड़ में अपने धंधे को फैला दिया। इसके लिए हिमाचल प्रदेश व उत्तराखंड की धंधेबाज कंपनियों से इन माफिया ने संपर्क किया और ब्रांडेड कंपनी की दवा और नाम जैसे रैपर में दवाएं मंगानी शुरू की।

असली और नकली में फर्क करने के लिए बैच नंबर समेत अन्य तकनीकी पहलू पर जाना होगा, जो किसी ग्राहक के लिए आसान नहीं है। सूत्रों का कहना है कि नेपाल बॉर्डर के नजदीक बसे यूपी व बिहार के छोटे–छोटे कस्बों में खुली दुकानों के जरिए इन दवाओं को खपाया जा रहा है।

साल्ट में छिपा है असली और नकली का खेल

दवा व्यवसाय से जुड़े सूत्र बताते हैं कि दवाओं के असली–नकली वाले इस खेल में असल मामला साल्ट का है। दवाओं का साल्ट महंगा नहीं होता, बल्कि उसकी टेस्टिंग, प्रचार, परिवहन और टैक्स आदि के चलते ब्रांडेड कंपनी का रेट बढ़ जाता है। उसी साल्ट और ब्रांडेड कंपनी के नाम पर बनाई गई दवा पर न तो किसी प्रकार का टैक्स देना होता है और न ही कोई अन्य खर्च। लिहाजा वह असली ब्रांड से आधे रेट पर बेच दी जाती है।

इससे दुकानदार को भी 50 प्रतिशत तक मुनाफा मिलता है। दुकानदार उस दवा को 10 से 15 प्रतिशत डिस्काउंट देकर ग्राहक को बेच देता है। गोरखपुर से नेपाल के मैदानी इलाकों में भी बड़े ब्रांड की दवाएं जाती हैं। वैध रूप से इन दवाओं को भेजने में काफी खर्च आता है। इसलिए इनमें मुनाफा भी कम होता है, जबकि असली ब्रांड के नाम वाली ही वही दवा 50 प्रतिशत मुनाफा देती है। इसमें भी असली वाला साल्ट होता है। इसलिए अगर दवा पकड़ी भी गई तो रिपोर्ट सब स्टैंडर्ड (अधोमानक) श्रेणी में आता है। बस इस धंधे से जुड़े लोगों को कॉपी राइट का मामला मैनेज करना होता है।

नशे के लिए प्रयुक्त हो रहा कफ सीरप

नकली और मिश्रित दवाओं के इस खेल के साथ–साथ बड़े पैमाने पर कोडिनयुक्त कफ सीरप का भी खेल चल रहा है। इस साल्ट वाली कफ सीरप को बच्चों के लिए खतरनाक बताया गया है। इसमें अफीम का प्रयोग होता है, इसलिए इसका प्रयोग लोग नशे के लिए करते हैं।

बताया जाता है कि बिहार और नेपाल के सीमावर्ती इलाके में इस सीरप का बड़े पैमाने पर उपयोग हो रहा है। बिहार में शराबबंदी के चलते भी इसका प्रयोग बढ़ा है।

इसे पीने वालों के मुंह से शराब की दुर्गंध नहीं आती, इसलिए भी इसकी डिमांड अधिक है। नेपाल के मैदानी इलाकों में इसकी खपत बिहार से भी अधिक हो गई है। पिछले साल महराजगंज में करीब 700 करोड़ की जो दवाएं पकड़ी गई थीं, उसमें इसी प्रकार के सीरप और टेबलेट थे। इन पर असली ब्रांड के रैपर लगाए गए थे।

जमीन दिलाने के नाम पर सीआरपीएफ जवान के साथ जालसाजी

गोरखपुर। वर्ष 2023 में एसएसपी ऑफिस के पास एक चाय की दुकान पर तीनों आरोपी रुपए वापस करने किए लिए मीटिंग रखे और तीन चेक दिए, जो बाउंस कर गया। जवान छः वर्षों से चक्कर काटते काटते जब थक गया तो मुख्यमंत्री से शिकायत की।

केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान के सुरक्षा में तैनात सीआरपीएफ जवान से जमीन दिलाने के नाम पर जालसाजों ने 18.5 लाख रूपए हड़प लिए। लगभग छह वर्षों तक टाल–मटोल करने के बाद जब रुपये वापस नहीं मिले तो जवान ने मुख्यमंत्री से शिकायत कर दी। इसके बाद गुलरिहा थाने की पुलिस ने मामले में केस दर्ज जांच शुरू कर दी।

मिली जानकारी के अनुसार पिपराइच थाना क्षेत्र के महुआचाफी गांव निवासी अनिरुद्ध कुमार गुप्ता सीआरपीएफ में जवान है और केंद्रीय मंत्री पशुपालन एवं मत्स्य पालन उद्योग संजीव बालियान की सुरक्षा में तैनात हैं। जवान 2017 में जमीन ढूंढ रहे थे कि इसी दौरान गुलरिहा थाना क्षेत्र के बनगाई निवासी खुर्शीद आलम और अर्जुन राय और अभिषेक श्रीवास्तव से मुलाकात हो गई।

तीनों ने जमीन दिलाने की बात कहते हुए महराजगंज के श्यामदेरवा में जमीन दिखाया और साढ़े आठ डिसमिल जमीन का दाम तय कर दिया। खुर्शीद आलम ने शिवपुर सहबाजगंज स्थित एसबीआई बैंक खाते में 8.5 लाख रुपया ले लिए और जब जवान जमीन के बैनामे के लिए खुर्शीद से संपर्क करता तो विवादित जमीन बोलकर टाल मटोल शुरू कर दिया।

दबाव बनाने पर अर्जुन राय ने चिलुआताल क्षेत्र के जीतपुर में जमीन दिलाने के नामपर अपने खाते में 10 लाख और जवान से ले लिए। उसके बाद से जवान ने तीनों लोगों से जमीन की रजिस्ट्री कराने की बात कई बार कहीं तो उन लोगों ने फिर से हीला हवाली करने लगे तथा ज्यादा दबाव बनाने पर तीनों आरोपी जवान को धमकी देने लगे। वर्ष 2023 में एसएसपी ऑफिस के पास एक चाय की दुकान पर तीनों रुपए वापस करने की मीटिंग रखे और तीन चेक दिए, जो बाउंस कर गया। जवान छः वर्षों से चक्कर काटते काटते जब थक गया तो मुख्यमंत्री से शिकायत की। गुलरिहा पुलिस ने सीआरपीएफ जवान की तहरीर पर खुर्शीद आलम, अर्जुन राय और अभिषेक श्रीवास्तव के खिलाफ धारा 420, 406, 506 आईपीसी के तहत केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

बिना अनुमति झंडा–बैनर लगाया तो लगेगा 500 जुर्माना–बस इन्हें करनी होगी शिकायत

संत कबीर नगर। डीएम महेंद्र सिंह तंवर ने बताया कि अगर बिना भवन स्वामी के अनुमति से कोई पोस्टर या बैनर लगाता तो उस पर पांच सौ रुपये जुर्माना लगाया जाएगा। यह जुर्माना भवन स्वामी को दिया जाएगा। इसके लिए भवन स्वामी को कंट्रोल रूम में शिकायत करनी होगी। लोकसभा चुनाव में आयोग ने आदर्श आचार संहिता के अनुपालन के लिए सख्त निर्देश दिए हैं। कोई प्रत्याशी भवन स्वामी की बिना अनुमति से पोस्टर, बैनर लगाता है तो उसे 500 रुपये जुर्माना देना होगा।

यह रुपये भवन स्वामी को दिया जाएगा। बशर्ते प्रशासन तक शिकायत पहुंचनी चाहिए। चुनाव आयोग ने प्रत्याशियों व आमजन के लिए कुछ नियम लागू किए हैं, ताकि शांतिपूर्ण निष्पक्ष चुनाव कराए जा सके। जिला निर्वाचन अधिकारी के मुताबिक प्रत्याशी चाहे जिस दल का हो, उन्हें आयोग के नियमों का पालन करना होगा। निजी भवनों में बैनर, झंडा कटआउट आदि प्रतिबंधित नहीं है। इसमें भवन स्वामी की स्वेच्छा जरूरी है।

डीएम महेंद्र सिंह तंवर ने बताया कि अगर बिना भवन स्वामी के अनुमति से कोई पोस्टर या बैनर लगाता तो उस पर पांच सौ रुपये जुर्माना लगाया जाएगा। यह जुर्माना भवन स्वामी को दिया जाएगा। इसके लिए भवन स्वामी को कंट्रोल रूम में शिकायत करनी होगी।

सरकारी कार्यालयों से हटेंगी तस्वीरें

जनपद के सरकारी कार्यालयों में सिर्फ दिवगंत महापुरूषों की ही फोटो लगा सकते हैं। कार्यालय में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या किसी अन्य मंत्री व नेता की फोटो लगी मिलेगी तो संबधित विभागाध्यक्ष पर कार्रवाई होगी।

लोक निर्मला सम्मान से नवाजी गयीं कजरी गायिका उर्मिला

'देशज' कार्यक्रम में पद्मश्री उर्मिला श्रीवास्तव को लोक निर्मला पुरस्कार से सम्मानित करते प्रमुख सचिव संस्कृति मुकेश मेश्राम, अवनीश अवस्थी व सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते कलाकार। फोटो : एसएनबी

मुकेश मेश्राम ने एक लाख रुपये व प्रतीक चिह्न देकर किया सम्मानित

'देशज' में कालबेलिया व कलरीपट्टू का रोमांचक प्रदर्शन

लखनऊ (एसएनबी)। गोमती नगर स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया पार्क के मुक्ताकाशी मंच पर चल रहे दो दिवसीय देशज के तीसरे संस्करण में मिर्जापिर की कजरी की प्रसिद्ध गायिका पद्मश्री उर्मिला श्रीवास्तव को लोक निर्मला सम्मान से नवाजा गया। मुख्यमंत्री सलाहकार अवनीश अवस्थी, लोकगायिक पद्मश्री मालिनी अवस्थी, पद्मश्री विद्या विन्दु सिंह, वरिष्ठ लेखक यतीन्द्र मिश्र की उपस्थिति में प्रमुख सचिव संस्कृति मुकेश मेश्राम ने उन्हें सम्मानित किया। पुरस्कार स्वरूप एक लाख रूपए का चेक भी दिया गया।

यतीन्द्र मिश्रा ने उर्मिला श्रीवास्तव का परिचय वताते हुए कजरी के इतिहास के साथ ही लोक कला में महिलाओं के संघर्ष से भी परिचित कराया। सम्मानित गायिक पद्मश्री उर्मिला श्रीवास्तव ने कहा कि 55 वर्षो से कजरी गा रही है। मेरी गायकी की गुरु तो दूसरी है लेकिन कजरी की गुरुमेरी मिर्जापुर की धरती है, मां विन्धवासिनी हैं। उन्होंने कहा कि मिर्जापुर की हर वेटी की नस नस में कजरी वसी हुई। कजरी का असर मौसम पर भी होता है।

आज भी मौसम देख लीजिए विल्कुल वदल गया है। सम्मान देने के वाद मंच पर तीन पदमश्री महिलाएं उर्मिला श्रीवास्तव, मालिनी अवस्थी और विद्या विन्दु सिंह मौजूद थी। उर्मिला श्रीवास्तव ने कजरी पिया मेहंदी ले आईव मोतीझील से, जा के साइकिल से गाया तो वहां मौजूद सैकड़ो महिलाएं झूमने लगी।

इसके वाद उर्मिला श्रीवास्तव ने मालिनी अवस्थी के साथ कई कंसर्ट को याद किया तो दोनो ने एक साथ लोकप्रिय कजरी कईसन खेले जइवू सावन में कजरिया, वदरिया घिरी आयी सजनिया से माहौल ऐसा वना दर्जनों महिलाओं नाचते हुए मंच पर आ गई। इनमें 60, 70, 80 वर्ष की महिलाएं भी थी।

इसके साथ ही उर्मिला श्रीवास्तव और मालिनी अवस्थी की जोड़ी ने होली गीत सिर वांधे मुकुट खेले होली से सुहावनी शाम में चार चांद लगा दिए। कार्यक्रम का संचालन पंखुड़ी ने किया।

मैनपुरी में भाजपा का बड़ा दांव, डिपंल के सामने दिग्गज कांग्रेसी को उतारने की अटकलें, अखिलेश हुए अलर्ट

संवाददाता, मैनपुरी। समाजवादी पार्टी के सबसे मजबूत गढ़ में भाजपा ने अपने लड़ाके के नाम अब तक घोषित नहीं किया है। इंतजार के साथ चर्चाएं भी बढ़ती जा रही हैं कि भाजपा का चुनावी सालार कौन होगा। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह सहित कई नाम लगातार कयासों में हैं। अब कांग्रेस के एक बड़े नेता को भाजपा की टिकट पर मैदान में उतरने की चर्चा शुरू हो गई है। माना जा रहा है कि इसी सप्ताह पार्टी प्रत्याशी का नाम घोषित कर सकती है और सबकी निगाहें इसी पर टिकी हैं।

सपा ने मैनपुरी से लडपल यादव को बनाया प्रत्याशी

मैनपुरी लोकसभा सीट पर समाजवादी पार्टी ने डिंपल यादव (क्पउचसम ल्कंअ) को प्रत्याशी बनाया है। सपा का गढ़ कही जाने वाली इस सीट पर डिंपल यादव वर्ष 2022 में मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद हुए उपचुनाव में सांसद बनी थीं। इस बार भी वह पूरी ताकत झोंक रही हैं।

चुनाव की अधिसूचना के बाद राजनीतिक हलचल तेज है, परंतु भाजपा (ठश्रच) के प्रत्याशी का नाम सामने आना बाकी है। अब तक प्रत्याशी चयन की रेस में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी प्रेम सिंह शाक्य, सैफई परिवार के दामाद अनुजेश यादव और आरसीएल निदेशक मनोज यादव आदि नेताओं के नाम शामिल बताए जा रहे हैं।

कांग्रेस के बड़े नेता भाजपा में हो सकते हैं शामिल

इस बीच कांग्रेस के बड़े नेता के भाजपा में शामिल होने और उसको ही प्रत्याशी बनाने की चर्चाएं भी शुरू हो गईं। कांग्रेस के इस नेता को ब्रजक्षेत्र की एक अन्य सीट पर गठबंधन से प्रत्याशी बनने की चर्चाएं पहले से चल रही हैं। चर्चा तो दूसरे राज्य से कांग्रेस की टिकट पर किसी सीट से लड़ने की भी हैं लेकिन अब संभावना जताई जा रही है कि यह नेता लंबे समय से भाजपा के संपर्क में हैं और उनको मैनपुरी सीट से भी प्रत्याशी बनाया जा सकता है। हाल ही इस नेता के करीबी रह चुके कुछ नेता भाजपा में शामिल हुए थे। उनके शामिल होने को भी पूर्व निर्धारित योजना का हिस्सा बताया जा रहा है। प्रत्याशी कौन होगा, इसे लेकर स्थानीय नेता भी असमंजस में हैं। संभावना जताई जा रही है कि भाजपा होली से पहले सूची जारी कर सकती है।

बसपा को भी भाजपा प्रत्याशी का इंतजार

भाजपा की तरह बसपा के भी प्रत्याशी का नाम सामने आने का लोगों को इंतजार है। 2019 के चुनाव में बसपा का सपा के साथ गठबंधन था। इस बार बसपा लंबे समय से चुनावी तैयारी में जुटी हुई थी। मंडल एवं जोन स्तरीय पदाधिकारी लंबे समय से गांवों में सक्रिय रहकर अपने परंपरागत वोट बैंक की नब्ज टटोलते आ रहे हैं। पार्टी नेताओं के मुताबिक से लोधी या शाक्य प्रत्याशी को मैदान में उतारा जाएगा। भाजपा के प्रत्याशी का नाम घोषित होने का इंतजार किया जा रहा है।

कानूनगो रिश्वत कांड: एसडीएम ने शासन को भेजी आख्या

जल्द होगी विभागीय कार्रवाई, 15 हजार घूस लेते पकड़ा था आरोपी

हाथरस। उत्तर प्रदेश सतर्कता अधिष्ठान (विजिलेंस) आगरा की टीम ने योगेंद्र गौतम को किसान से 15000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार राजस्व निरीक्षक को टीम अपने साथ आगरा ले गई।उक्त मामले में अब एसडीएम सदर ने शासन को विभागीय कार्रवाई के लिए रिपोर्ट भेज दी है। हाथरस तहसील सदर स्थित कार्यालय से 15 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कानूनगो के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के लिए एसडीएम सदर ने शासन को आख्या भेज दी है। अब उक्त आरोपी कानूनगो पर जल्द ही शासन से कार्रवाई की जाएगी।

कोतवाली हाथरस जंक्शन क्षेत्र के गांव पुराकलां निवासी मुनेश कुमार व उनके भाइयों की गांव मौजा पुरा कलां स्थित भूमि की पैमाइश को लेकर वाद चल रहा था। जब यह मामला अधिकारियों के संज्ञान में पहुंचा तो अधिकारियों ने भूमि की मेड़बंदी की पैमाइश कराने के आदेश दिए। मेड़बंदी के लिए तहसील सदर में तैनात राजस्व निरीक्षक यानी कानूनगो योगेंद्र गौतम किसान से रिश्वत में 30 हजार रुपये मांग रहा था। पिछले दिनों किसान ने 15 हजार रुपये राजस्व निरीक्षक को दे भी दिए। किसान ने इसकी लिखित में शिकायत पुलिस अधीक्षक उत्तर प्रदेश सतर्कता अधिष्ठान (विजिलेंस) आगरा से की थी। शिकायत में कहा था कि राजस्व निरीक्षक योगेंद्र गौतम द्वारा कार्य के बदले में 15 हजार हजार रुपये की और मांग की जा रही है। राजस्व निरीक्षक ने पैसे लेने के लिए 20 मार्च को किसान को तहसील सदर स्थित अपने कार्यालय में बुलाया।

उत्तर प्रदेश सतर्कता अधिष्ठान (विजिलेंस) आगरा की टीम ने योगेंद्र गौतम को किसान से 15000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार राजस्व निरीक्षक को टीम अपने साथ आगरा ले गई।उक्त मामले में अब एसडीएम सदर ने शासन को विभागीय कार्रवाई के लिए रिपोर्ट भेज दी है।

युवती को जबरन गाड़ी पर डाल ले गई पुलिस, थाने में अपराधियों की तरह पीटा दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

मैनपुरी। पीड़िता की मां ने बताया कि पुलिस युवती को जबरन गाड़ी पर डाल ले गई। थाने में अपराधियों की तरह पीटा। उन्होंने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में एसओ ने युवती को अपराधियों की तरह पीटा। उसे थर्ड डिग्री जैसा टॉर्चर किया। पीड़िता की मां ने बुधवार को एसपी से शिकायत की है। बताया कि पुलिस उसकी पुत्री को जबरदस्ती घर से पकड़ कर थाने ले गई। वहां थाना प्रभारी और अन्य पुलिसकर्मियों ने बेरहमी से पिटाई की। मामले की जांच कर कार्रवाई किए जाने की मांग की। मामला एलाऊ थाना क्षेत्र के गजासिंह गांव का है। गांव निवासी अखिलेश कुमार ने एसपी कार्यालय में शिकायती पत्र दिया। इसमें बताया कि उनके पति पीआरडी में हैं। 17 मार्च को पड़ोसी के पालतू कुत्ते ने घर में शौच कर दी। इसकी शिकायत करने पर नामजद लोग झगड़ा करने पर उतारू हो गए। इसके बाद नामजद लोग पुराने वाले घर में आए। यहां गाली गलौज करते हुए उसकी पिटाई की। चीख पुकार सुनकर बचाने आई पुत्री रंगोली को भी पीटा। इसकी शिकायत पुत्री ने यूपी 112 पर की। थाने में शिकायत पर करने पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। दबाव बनाकर समझौता करा दिया गया। अगले दिन 18 मार्च को थाने से एक महिला सिपाही और अन्य कर्मी घर पर आए। रंगोली को पीटते हुए गाड़ी में डालकर थाने ले गए। रास्ते में पुत्री की पिटाई की। थाने पहुंचने पर थाना प्रभारी ने महिला व अन्य पुलिसकर्मियों के साथ मिलकर बाल पकड़कर पीटा। मन नहीं भरा तो पटे से पीटा। जब वह थाने पहुंची और पुत्री के बारे में पूछा तो उसे भी पीटना शुरू कर दिया। बेटी का शांतिभंग में चालान कर दिया गया। शाम को जब वह बेटी के साथ घर पहुंची तो सामान बिखरा हुआ था। पीड़िता ने मामले की जांच कर दोषी पुलिसकर्मियों व नामजद लोगों पर कार्रवाई की मांग की। एसपी विनोद कुमार ने बताया कि शिकायती पत्र प्राप्त हुआ है। शिकायत पर सीओ भोगांव से जांच कराई जाएगी। जांच में जो भी सत्यता सामने आएगी। उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

यूपी के इस लोकसभा सीट पर प्रचार करने आए थे अटल बिहारी वाजपेयी

लखनऊ। अटल बिहारी वाजपेयी चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा के उम्मीदवार लेफ्टिनेंट जनरल श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी को जिताने की अपील करने देवरिया आए थे। जनता से संवाद अंदाज में कहा कि यदि आप लोगों ने यदि लेफ्टिनेंट जनरल श्रीप्रकाशमणि त्रिपाठी को अपना मत देकर जीता दिया होता तो मेरी सरकार नहीं गिरती। इसलिए इस बार फिर मौका मिला है।

देवरिया में 1999 की चुनावी जनसभा में हेलीपैड पर भाजपा नेताओं से मिलते पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी। फाइल फोटो

वर्ष 1999 में देवरिया के रवींद्र किशोर शाही स्टेडियम में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने वोट के महत्व से लोगों को बखूबी परिचित कराया था। एक वोट की कमी के चलते उनकी सरकार गिर गई थी और उसके बाद मध्यावधि चुनाव हुआ।

चुनाव प्रचार के दौरान वह भाजपा के उम्मीदवार लेफ्टिनेंट जनरल श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी को जिताने की अपील करने देवरिया आए थे। लोगों से भावनात्मक संवाद करते हुए बताया कि एक–एक वोट का कितना महत्व होता है। स्व. अटल ने कहा था कि एक वोट का महत्व उनसे ज्यादा कौन जान सकता है। यही एक वाट लोकसभा में उन्हें मिला होता तो सरकार नहीं गिरती और देश को मध्यावधि चुनाव का सामना नहीं करना पड़ता। देश का करोड़ों रुपये चुनाव के नाम पर बर्बाद हो रहे हैं। जनता से संवाद अंदाज में कहा कि यदि आप लोगों ने यदि लेफ्टिनेंट जनरल श्रीप्रकाशमणि त्रिपाठी को अपना मत देकर जीता दिया होता तो मेरी सरकार नहीं गिरती। इसलिए इस बार फिर मौका मिला है। सभी लोग राग द्वेष छोड़कर भाजपा के उम्मीदवार लेफ्टिनेंट जनरल श्री प्रकाशमणि त्रिपाठी को लोकसभा में पहुंचाइये तब भाजपा की सरकार बनेगी।

उसके बाद तालिया की गड़गड़ाहट करीब तीन मिनट तक होती रही। चारों तरफ अटल जी जिंदाबाद के नारे लग रहे थे। कुछ क्षण के लिए उनकी आवाज रुक गई और वह जनता को हाथ जोड़कर प्रणाम करने लगे। मंच से भाजपा के जिला मंत्री रहे निशिरंजन तिवारी बार–बार जनता से अनुरोध करते रहे कि उत्साह में नारेबाजी कम करें। अटल जी की बात सुनें। लेकिन कोई रुक नहीं रहा था। सभी उत्साह में थे। मंच पर अटल जी गदगद थे। उस चुनाव का परिणाम यह रहा कि भाजपा प्रत्याशी लेफ्टिनेंट जनरल त्रिपाठी को बड़े अंतर से जीत मिली। चुनाव के बाद सभी लोग यह कहते रहे कि अटल जी की अपील काम आई।

दो दशक से नहीं खुला कांग्रेस का खाता, इस बार गठबंधन से संजीवनी की आस

मेरठ। पश्चिमी यूपी में दो दशक से कांग्रेस का खाता नहीं खुला है। इस बार कांग्रेस को गठबंधन से संजीवनी की आस है। सहारनपुर सीट से आखिरी बार 1984 में कांग्रेस के सांसद बने थे। मुजफ्फरनगर में 1999 में आखिरी बार कांग्रेस को जीत मिली थी। लोकसभा चुनाव की घोषणा होते ही सियासत गरमा गई है। पश्चिमी यूपी की मेरठ, बागपत, कैराना, सहारनपुर, बिजनौर, नगीना और मुजफ्फरनगर सीट पर एक समय ऐसा भी था जब कांग्रेस का दबदबा हुआ करता था। इन सीटों पर 1952 से लेकर 2019 के चुनाव तक कांग्रेस के 30 प्रत्याशी संसद तक पहुंचे। कई सीटों पर लगातार कांग्रेस के प्रत्याशियों ने जीत हासिल की, लेकिन इमरजेंसी के बाद ऐसा समीकरण बदला कि कुछ सीटों पर कांग्रेस हाशिये पर आती चली गई। किसी सीट पर कांग्रेस का खाता 40 साल से नहीं खुला है तो किसी पर 25 साल से जीत की दरकार है। मौजूदा समीकरण पर नजर डालें तो इस बार सपा से गठबंधन कांग्रेस के लिए संजीवनी बन सकता है। गठबंधन में सहारनपुर, गाजियाबाद, बुलंदशहर और अमरोहा सीट कांग्रेस को मिल चुकी है।

यह बन रहा समीकरण

सहारनपुर लोकसभा सीट पर करीब चार माह पहले कांग्रेस में दोबारा एंट्री करने वाले पूर्व विधायक इमरान मसूद पश्चिमी यूपी के कद्दावर नेता माने जाते हैं। सहारनपुर लोकसभा सीट में करीब सात लाख मुस्लिम वोटर है। इमरान खुलकर टिकट की दावेदारी कर रहे हैं, जबकि पूर्व एमएलसी गजे सिंह भी टिकट के मजबूत दावेदार है। इमरान तीन बार लोकसभा चुनाव लड़ चुके हैं।

2014 के चुनाव में वह भाजपा के राघव लखनपाल से करीब 65 हजार वोटों से हारे थे। उस समय इमरान ने प्रधानमंत्री को लेकर बोटी–बोटी वाला बयान दिया था, जिससे चुनाव हिंदू–मुस्लिम हो गया था और उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। बकौल इमरान, इस बार सहारनपुर सीट पर जीत पक्की है। मुस्लिम और दलित उनके साथ–साथ हैं। इसके अलावा अन्य बिरादरी का वोट भी मिलता है। भाजपा को कम से कम एक लाख वोटों से हराया जाएगा।

सहारनपुर : आठ बार जीते कांग्रेस प्रत्याशी

सहारनपुर लोकसभा सीट पर पहला चुनाव 1952 में लड़ा गया था। 1952 से 1971 तक यहां पर कांग्रेस के सात बार सांसद चुने गए। इमरजेंसी का खामियाजा कांग्रेस को भुगतना पड़ा और यह सीट उसके हाथ से चली गई। 1977 से 1980 तक जनता पार्टी के काजी रशीद मसूद सांसद रहे। 1984 के चुनाव में कांग्रेस के चौधरी यशपाल सिंह ने जीत हासिल की थी। इसके बाद इस सीट पर कांग्रेस को जीत नहीं मिली।

बिजनौर : सात बार मिली कांग्रेस को जीत

बिजनौर लोकसभा सीट पर 1951 में कांग्रेस के नेमीशरण जैन सांसद बने थे। इसके बाद 1957 में अब्दुल लतीफ, 1967 और 1971 में स्वामी रामानंद शास्त्री, 1974 में रामदयाल जीत हासिल हुई थी। इसके बाद 1984 में कांग्रेस के गिरधारीलाल और 1985 में कांग्रेस से ही मीरा कुमार संसद तक पहुंचे थे। 1989 के चुनाव में बसपा से मायावती ने कांग्रेस का विजयी रथ रोक दिया था। तब से लेकर 2019 तक कोई भी कांग्रेस प्रत्याशी जीत नहीं सका।

मेरठ : छह बार चुना गया कांग्रेस का सांसद

मेरठ–हापुड लोकसभा सीट पर 1952 से 1962 तक कांग्रेस के शाहनवाज खान सांसद रहें। 1971, 1980 और 1989 में भी कांग्रेस प्रत्याशी ने ही जीत हासिल की।

मुजफ्फरनगर : पांच बार मिली कांग्रेस को जीत

मुजफ्फरनगर सीट पर 1952 से लेकर 1962 तक कांग्रेस के तीन सांसद बनें। इसके बाद 1984 में धर्मवीर सिंह त्यागी और 1999 में आखिरी बार कांग्रेस के सईदुज्जमां ने कांग्रेस के टिकट पर जीत हासिल की थी। तब से लेकर 2019 तक कांग्रेस का कोई सांसद नहीं रहा।

कैराना : दो बार संसद तक पहुंचा कांग्रेस प्रत्याशी

कैराना लोकसभा सीट पर नजर डालें तो यहां पर 1971 में कांग्रेस के शफाकत जंग और 1984 में चौधरी अख्तर हसन ने जीत हासिल की थी। 1984 के बाद इस सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी जीत दर्ज नहीं करा सका।

बागपत : दो बार जीत सका कांग्रेस प्रत्याशी

बागपत लोकसभा सीट पर 1971 में कांग्रेस के रामचंद्र विकल और 1996 में कांग्रेस से चौधरी अजित सिंह संसद तक पहुंचे थे। इस सीट पर सबसे ज्यादा सात बार चौधरी अजित सिंह सांसद रहें। भाजपा का रिकॉर्ड देखें तो पहली बार 1998 में सोमपाल शास्त्री ने जीत हासिल की थी। इसके बाद 2014 और 2019 के चुनाव में सत्यपाल सिंह विजेता रहे थें।

नगीना लोकसभा सीट

नगीना लोकसभा सीट 2009 में अस्तिव में आई थी। इस सीट पर अभी तक कांग्रेस का खाता नहीं खुला। यहां पहली बार सपा, बसपा और भाजपा ने जीत हासिल की।

कांशीराम को हराकर सुखयो में आए थे भाजपा के नकली लसह

सहारनपुर लोकसभा सीट का इतिहास बेहद रोचक है। एक समय ऐसा भी आया था जब बसपा के संस्थापक कांशीराम को भी हार का सामना करना पड़ा था। 1998 के चुनाव में भाजपा के नकली सिंह ने जीत हासिल कर कांशीराम को हराया था। उस समय नकली सिंह चर्चा में आ गए थे।

अमिताभ बच्चन ने इलाहाबाद और केशव ने फूलपुर में बनाया था बड़ी जीत का रिकॉर्ड; इनके नाम सबसे नजदीकी हार

प्रयागराज। इलाहाबाद सीट पर महानायक अमिताभ बच्चन के नाम बड़ी जीत का रिकॉर्ड है। जबकि फूलपुर सीट पर केशव प्रसाद मौर्य के नाम यह रिकॉर्ड है। दोनों संसदीय सीट पर सबसे नजदीकी हार श्यामाचरण गुप्ता के नाम है।

प्रयागराज की दोनों संसदीय सीट पर कई अनोखे रिकॉर्ड दर्ज हैं। इलाहाबाद सीट पर अब तक की सबसे बड़ी जीत सिनेमा जगत के महानायक अमिताभ बच्चन के नाम दर्ज है। वहीं, फूलपुर में यह रिकॉर्ड केशव प्रसाद मौर्य के नाम है। अमिताभ ने 1984 के लोकसभा चुनाव में इलाहाबाद सीट से 1,87,795 मतों से चुनाव जीतकर यह कीर्तिमान अपने नाम किया था।

2019 के लोकसभा चुनाव में डॉ.रीता बहुगुणा जोशी ने 1,84,275 के अंतर से चुनाव जीतीं, लेकिन अमिताभ का रिकॉर्ड नहीं तोड़ सकीं। वहीं, फूलपुर में सबसे बड़े अंतर से जीत का रिकॉर्ड केशव के नाम है, जिन्होंने 3,08,308 वोट के अंतर से चुनाव जीतकर यह उपलब्धि हासिल की। दूसरे नंबर पर केशरी देवी पटेल हैं। इन्होंने 2019 में 1,71,968 मतों से जीत दर्ज की है। केशव,केशरी देवी अकेले ऐसे प्रत्याशी हैं, जिन्होंने चुनाव में पांच लाख से अधिक वोट प्राप्त कर जीत हासिल की है। वहीं, रीता बहुगुणा जोशी ने पिछले चुनाव में 4,94,454 मत प्राप्त किए हैं।

केशव ने फूलपुर लोकसभा सीट पर 2014 के चुनाव में सपा के धर्मराज सिंह पटेल को 3.08 लाख वोट से हराया था। इस चुनाव में उन्हें कुल 52.44 प्रतिशत वोट मिले थे। दूसरे स्थान पर रहे सपा के उम्मीदवार धर्मराज सिंह पटेल को 20.33 प्रतिशत एवं तीसरे स्थान पर रहे बसपा के कपिल मुनि करवरिया को 17.05 फीसदी वोट प्राप्त हुए थे। इस चुनाव में क्रिकेटर मो.कैफ कांग्रेस की ओर से चुनावी मैदान में थे। कैफ 6.05 प्रतिशत वोट पाकर चौथे स्थान पर रहे।

दूसरी ओर इलाहाबाद सीट पर अमिताभ बच्चन ने 1984 में कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा और 68.21 फीसदी यानी 2,97,461 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की। उन्होंने लोकदल के प्रत्याशी हेमवती नंदन बहुगुणा को 1.87 लाख वोटों से पराजित किया। हेमवती नंदन बहुगुणा को इस चुनाव में 25.15 प्रतिशत वोट यानी कुल 1,09,666 मत प्राप्त हुए थे।

श्यामाचरण दोनों सीट पर चूके

श्यामाचरण गुप्ता इलाहाबाद और फूलपुर दोनों संसदीय सीट पर सबसे कम अंतर से हारने वाले प्रत्याशी हैं। इलाहाबाद सीट पर 1991 के चुनाव में उन्हें सरोज दुबे ने 5196 वोट के अंतर से हराया था। जनता दल की प्रत्याशी सरोज दुबे को 29.72 फीसदी और भाजपा प्रत्याशी श्यामाचरण को 28.38 फीसदी वोट मिले थे।

फूलपुर सीट पर 2009 के चुनाव में बसपा के कपिलमुनि करवरिया ने सपा उम्मीदवार श्यामाचरण गुप्ता को 14,578 मतों से हराया था। इस चुनाव में कपिलमुनि को 30.36 और श्यामाचरण को 27.72 प्रतिशत वोट प्राप्त हुए थे।

इलाहाबाद लोकसभा सीट पर सबसे बड़े अंतर की जीत–अमिताभ बच्चन (1,87,795 के अंतर से)

इलाहाबाद लोकसभा सीट पर सबसे कम अंतर की जीत–श्यामाचरण गुप्ता (5196 के अंतर से)

फूलपुर लोकसभा सीट पर सबसे बड़े अंतर की जीत–केशव प्रसाद मौर्य (3,08,308 के अंतर से)

फूलपुर लोकसभा सीट पर सबसे कम अंतर की जीत–श्यामचरण गुप्ता (14,578 के अंतर से)

सत्ता संग्राम 2024 : ...जब अच्छे दिन की आस में मोदीमय हुआ यूपी

लखनऊ। वजह, इसी तारीख को देश की जनता ने केंद्र में भाजपा के पक्ष में जनादेश दिया था। कांग्रेस तब तक के अपने इतिहास में सबसे निचले पायदान (44 सीटों) पर आकर थम गई। साल 2014 की 16 मई भारत के इतिहास में निर्णायक दिन के तौर पर हमेशा के लिए दर्ज हो गई। वजह, इसी तारीख को देश की जनता ने केंद्र में भाजपा के पक्ष में जनादेश दिया था। कांग्रेस तब तक के अपने इतिहास में सबसे निचले पायदान (44 सीटों) पर आकर थम गई। उस चुनाव के साल–दो साल पहले तक राजनीतिक विश्लेषक भी पूरे आत्मविश्वास के साथ यह नहीं भांप पाए कि भारत का इतिहास इतनी बड़ी करवट लेगा! हालांकि, चुनाव से ऐन पहले भारत में अमेरिका की राजदूत नैन्सी पॉवेल ने नरेंद्र मोदी से उनके घर पर मिलकर यह संदेश जरूर दे दिया था कि भारत की कमान नेहरूवादी मॉडल से एकदम अलग सोच रखने वालों के हाथ में जाने वाली है। यूपीए सरकार में सामने आए भ्रष्टाचार व सरकार से बढ़ती उम्मीदों व आकांक्षाओं ने जनता में कांग्रेस के प्रति गुस्सा भर दिया। गुजरात में कुशल प्रशासक के रूप में खुद को साबित कर चुके मोदी में जनता ने अपनी आस्था व्यक्त की। लेकिन, यह परिदृश्य सिर्फ इन्हीं कारणों से नहीं बना। तत्कालीन परिस्थितियों ने भी अहम भूमिका निभाई। उस जनादेश के पीछे के कारणों पर विस्तार से चर्चा कर रहे हैं अजित बिसारिया...

यूपीए पर आरोप और नरेंद्र मोदी की स्वच्छ छवि

यूपीए सपकार में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स स्कैम, 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला, कोयला घोटाला, वीवीआईपी चॉपर घोटाला, आदर्श स्कैम, कैश फॉर वोट घोटाला जन–जन की जुबान पर चढ़ चुके थे। गांधीवादी अन्ना हजारे ने भ्रष्टाचार के खिलाफ देशव्यापी अभियान चलाया। जनलोकपाल का गठन मुद्दा बना। वहीं, भगवा खेमे ने नरेंद्र मोदी को एक ऐसे राजनेता के रूप में प्रस्तुत किया जो गुजरात में सबसे ज्यादा वर्षों तक मुख्यमंत्री रहे और भ्रष्टाचार का कोई दाग नहीं लगा। ये घोटाले जहां यूपीए के लिए अभिशाप बने, वहीं नरेंद्र मोदी की छवि एनडीए के लिए वरदान साबित हुई।

नोटा का सोटा कम ही चला यूपी में

नोटा वोट 2019 के लोकसभा चुनाव में पड़े थे जौनपुर में। सबसे कम नोटा वाली सीटों के मामले में जौनपुर पूरे देश में 16वें पायदान पर रहा। 25 हजार से ज्यादा नोटा वोटों के साथ टॉप 30 में शामिल रहीं सीटों में से यूपी की एक भी नहीं थी।

गुजरात माडल पर कायम हुआ भरोसा

कांग्रेस के 2004–2014 तक के शासन में देश की अर्थव्यवस्था पटरी से उतर गई थी। आम जनमानस के मन में यह बात अच्छे से बैठ चुकी थी कि कांग्रेसी गांधी परिवार के आगे असहाय है। देश का आर्थिक विकास ठहर गया था। प्राइवेट सेक्टर से रोजगार कम होने लगे थे। जीडीपी की वृद्धि प्रभावित हुई थी।

इन सब कारणों ने कांग्रेस सरकार के प्रति एंटी इनकम्बेंसी (सत्ता विरोधी रुझान) बड़े पैमाने पर पैदा कर दी। तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने एक सभा में कहा था, अच्छे दिन आने वाले हैं। उनके इस कथन को नारे के रूप में भाजपा ले उड़ी। नरेंद्र मोदी के गुजरात मॉडल की चर्चा जन–जन तक पहुंच चुकी थी। इस नारे का इस्तेमाल भाजपा के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार मोदी ने किया। वहीं, पार्टी आमजन के दिमाग में यह बात बैठाने में सफल रही कि भारत के अच्छे दिन तो तभी आएंगे जब पीएम की कुर्सी मोदी संभालेंगे।

आडवाणी दरकिनार, मोदी को लाए आगे

संघ परिवार ने अच्छे से समझ लिया था कि लालकृष्ण आडवाणी के सहारे चुनावी वैतरिणी को पार नहीं किया जा सकता। इसलिए आडवाणी की आपत्तियों के बावजूद नरेंद्र मोदी को चेहरा बनाने में कोई हीलाहवाली नहीं की।

देश में सबसे ज्यादा सीटों वाले राज्य उत्तर प्रदेश में भाजपा को जिताने की जिम्मेदारी अमित शाह को सौंपी गई। यहां बता दें कि उससे पहले के कई चुनावों में यूपी में भाजपा का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था।

तकनीक का इस्तेमाल

तब तक भाजपा सोशल मीडिया की ताकत को समझ चुकी थी। चुनाव कैंपेन में बड़े पैमाने पर पेशेवर लगाए गए। सोशल मीडिया का ऐसा प्रयोग पहली बार हुआ। तब यूपी में तत्कालीन अखिलेश सरकार ने छात्रों को लैपटॉप बांटे थे। सपा संस्थापक मुलायम सिंह ने कहा था कि हमारी सरकार ने युवाओं को लैपटॉप बांटे, भाजपा ने अपनी बात को युवाओं के दिलो–दिमाग में बैठाने के लिए उसका फायदा उठाया।

सबसे बड़ा सवाल... आयुष और अहान को क्यों मारा

बदायूं ,संवाददाता। बदायूं शहर की बाबा कालोनी... उसमें संपन्न परिवार के दुमंजिला मकान की छत पर दो मासूम भाइयों आयुष (13) और अहान (06) की इतनी बेरहमी से हत्या की गई कि मौका–ए–वारदात पर नजर डालने वाले भी एकबारगी कांप उठें। आखिर क्यों? तत्काल हर एक जेहन में उठे इस सबसे बड़े सवाल का जवाब अभी तक किसी के पास नहीं है। जवाब देने वाला साजिद पुलिस की मुठभेड़ में ढेर हो चुका है और उसके साथ बताया जा रहा उसका भाई जावेद फरार है। पूरे जिले की 24 पुलिस टीमें उसकी तलाश कर रही हैं।

दस साल की जान–पहचान... 24 वार में तमाम

ठेकेदार विनोद ठाकुर के बेटे आयुष और अहान की हत्या मंगलवार शाम करीब सात बजे साजिद ने की जिससे उनकी दस साल पुरानी जान–पहचान थी। पोस्टमार्टम में पता चला कि साजिद ने दोनों बच्चों पर कुल 24 वार किए थे जिसमें से आयुष के शरीर पर 14 और अहान के जिस्म पर 9 घाव हुए। अलापुर थाना क्षेत्र के कस्बा सखानूं में रहने वाले साजिद का सिविल लाइंस क्षेत्र की बाबा कॉलोनी में सैलून था। वह सालों से यहां दुकान चला रहा था। सैलून के सामने ही विनोद ठाकुर का मकान है। वहीं उसकी पत्नी संगीता ब्यूटी पार्लर चलाती हैं। विनोद और साजिद के बीच पारिवारिक संबंध होने की बात भी सामने आई है। साजिद का विनोद के घर काफी आना–जाना था। साजिद बच्चों से बेहद प्यार भी करता था। यही कारण है कि दोनों बच्चों की हत्या करना लोगों के गले नहीं उतर रहा। हालांकि हत्या की वजह अब भी स्पष्ट नहीं हो सकी है। लोग तरह–तरह के कयास लगा रहे हैं, लेकिन यह साफ है कि जिस तरह से घटना को अंजाम दिया गया है उसके पीछे हत्या की कोई ठोस वजह जरूर रही होगी। परिवार के लोग हत्या की वजह बताने से कतरा रहे हैं। परिवार तो केवल पांच हजार रुपये मांगने की ही बात दोहरा रहा है। पुलिस ने दोनों बच्चों का पंचनामा भरने के बाद बुधवार सुबह नौ बजे पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में आयुष के गले पर चाकू से वार किए गए, जबकि अहान का गला रेता गया।

जावेद और साजिद को भइया जी कहते थे दोनों बच्चे

आयुष और अहान की हत्या के बाद बच्चों की दादी मुन्नी

देवी ने कहा कि हत्या का कारण साफ हो। पुलिस हमें बताए, हमारी गलती क्या है। क्यों घटना हुई। उन्होंने कहा कि आरोपी ने अपनी परेशानी बताई तो उसे हमारी बहू ने पांच हजार रुपये दिए। फिर भी उसने बच्चों की जान ले ली। अब पुलिस दूसरे आरोपी को गिरफ्तार करे और पूछताछ करे तो पूरा मामला खुले।

दादी मुन्नी देवी ने कहा कि आरोपी जावेद और साजिद के साथ रुपयों का लेनदेन उनकी जानकारी में नहीं है। बोलीं– अगर वह बेटे विनोद से रुपये ले जाते हैं, तो उन्हें पता नहीं। उन्होंने बताया कि पूरे मोहल्ले में उनकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं। बच्चे तो दोनों आरोपियों को भइया जी कहकर बुलाते थे। सामने ही दुकान थी। वहां बाल कटवाने बच्चे जाते थे तभी परिचय हुआ था। तभी सपर्क बना।

उन्होंने बताया कि जब हत्या हुई वह वे कमरे में थीं। ऊपर से मझला नाती पीयूष छत पर जावेद के लिए पानी लेकर गया तो उसके मुंह से यही निकला अरे जावेद भईया ये क्या कर रहे हो? वह चीखा तो हत्यारे ने उसका मुंह दबाया, इसने हाथ मारा तो पानी का गिलास छूटकर गिर गया।पीयूष नीचे को आया और बोला– अरे अम्मा दादा को तो उसने हाथ काट दिया। फिर बोला–अरे अब ऊपर मत जाना। तब तक आरोपी नीचे आया। जाते वक्त उसके हाथ में चाकू नहीं दिखा था लेकिन जब नीचे आया तो हाथ में खून से सना चाकू था।अगर मुठभेड़ से पहले साजिद पूछताछ की गई होती तो हत्या का कारण सामने आ सकता था। अब जावेद को पकड़ा जाए और पूछा जाए कि बच्चों की जान क्यों ली गई क्योंकि हमारी न तो किसी से रंजिश थी और कोई विवाद।–मुन्नी देवी, आयुष और आहान की दादी

हत्यारोपी जावेद के हाथ में पांच हजार रुपये दिए थे। साजिद ने कहा था कि उसकी पत्नी की डिलीवरी होनी है और पांच हजार रुपये उसे उधार चाहिए। अगर रंजिश होती तो हम मदद क्यों करते? –संगीता, आयुष और आहान की मां

कभी दादी से चिपकता है पीयूष तो कभी रोती हुई मां को देता थपकी

पोते पीयूष को सीने से चिपकाए दादी मुन्नी देवी के आंसू नहीं रुक रहे हैं। उनका रो–रोकर बुरा हाल है। पीयूष कभी दादी से चिपकर रो रहा है तो कभी रोती मां को थपकी देता नजर आया। घटना से ही वह सहमा हुआ है। सिविल लाइंस इलाके की बाबा कॉलोनी निवासी विनोद कुमार लखीमपुर खीरी जिले के मोहम्मदी में जल जीवन मिशन में ठेकेदारी करते हैं। पत्नी सुनीता ब्यूटी पार्लर चलाती हैं। परिवार खुशहाल था। किसी प्रकार का कोई दुख परिवार को नहीं था। दादी मुन्नी देवी होमगार्ड हैं। वह बार– बार दोनों पोतों को याद कर बेसुध हो रही है।

रोते–रोते उनका यही कहना है कि हंसते खेलते परिवार को किसकी नजर लग गई। भगवान ने परिवार पर दुखों का पहाड़ ही गिरा दिया। मां सुनीता जब भी होश में आती है तो मुंह से यही निकल रहा है कि मेरे आयुष और अहान को बुलाओ। कुछ देर रोने के बाद वह बार–बार अचेत हो रही है। परिवार से लेकर रिश्तेदार भी उनको समझा रहे हैं लेकिन एक मां जिसके दो जिगर के टुकड़े हमेशा के लिए छोड़ गए, यह दर्द सहन करना सबके बस की बात नहीं है।

जावेद की तलाश में लगी 24 टीमें

एसएसपी आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि जावेद और साजिद पर एफआईआर दर्ज है। साजिद मुठभेड़ में मारा जा चुका है। जावेद का कुछ पता नहीं है। उसकी तलाश में 24 टीमें लगाई गईं हैं। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। आरोपी के पिता बाबू समेत दो लोगों को हिरासत में लेकर अलापुर थाने में बैठा लिया है। पूछताछ की जा रही है। अब तक हत्यारोपियों का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं मिला है।

कानपुर,संवाददाता। भोपाल में काम करने वाले कानपुर देहात के एक कस्बा निवासी इंजीनियर पति की पत्नी ने शिकायत कर दी। पत्नी ने पुलिस को शिकायत दी कि पति ट्रेन से तौलिये, चादर, कंबल चुराकर ले आते हैं। इन्हें ले जाइए। दोनों का दो माह पहले निकाह हुआ था।

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से चोरी का अजीब मामला सामने आया है। मामले में करीब दो माह पहले ही शादी करने वाली युवती ने अपने ही इंजीनियर पति के खिलाफ चोरी की शिकायत रेलवे पुलिस से की है। इसमें बताया है कि पति रेल में यात्रा के दौरान तौलिये, चादर, कंबल, तकिया चुराकर घर ले आते हैं।

बताया कि पति मूलरूप से कानपुर देहात के एक कस्बे के रहने वाले हैं। रेल पुलिस ने शिकायतकर्ता महिला से संपर्क कर जानकारी ली है और जांच शुरू कर दी है। हालांकि, बुधवार तक इंजीनियर के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज नहीं हो सका था।

जानकारी के अनुसार युवती राजस्थान की रहने वाली है। इसी जनवरी में उसका पुखरायां निवासी युवक से निकाह हुआ था। युवक एक निजी कंपनी में इंजीनियर है और भोपाल में तैनात है। वह भोपाल में किराये पर रहता है।

पत्नी ने रेलवे पुलिस बैरागढ़ को ऑनलाइन शिकायत में बताया कि शादी के बाद जब वह पति के साथ भोपाल में उसके किराये के मकान में रहने लगी तो एक दिन एक बड़ा बॉक्स दिखा। बॉक्स को खोला तो उसमें दक्षिण रेलवे, पश्चिम मध्य रेलवे सहित अन्य रेलवे के करीब 40 तौलिये, 30 चादर, छह कंबल और तकिये के खोल मिले। पति से पूछा तो कहा कि तुम उसके काम में दखल न दो।

> **रमजान में सहन न हुआ चोरी का सामान, पुलिस से कहा– घर में रखे हैं ट्रेनों से चुराए तौलिये–चादर, कंबल, ले जाओ।**

रमजान चल रहा, मुझे यह गंवारा नहल हुआ

युवती ने चोरी का खुलासा करते हुए सोशल मीडिया में वीडियो भी वायरल किया है। वायरल वीडियो में कह रही है कि 'मेरे पति इंजीनियर होकर चोरी करते हैं, यह अच्छी बात नहीं है। पति ने शासकीय संपत्ति की चोरी की, जो मुझे सहन नहीं हो रहा है। इसलिए मैंने रेलवे पुलिस से शिकायत की है'।

युवती ने फोन पर हुई बातचीत में बताया कि रमजान का महीना चल रहा है, ऐसे में चोरी का सामान देख उसे गंवारा नहीं हुआ और रेलवे पुलिस से शिकायत कर सामान ले जाने को कहा था। उसे नहीं अंदाजा था कि मामला इतना बढ़ जाएगा।

शिकायत करने पर पति ने पीटा

युवती का आरोप है कि ईद को देखते हुए सफाई के लिए बॉक्स खोला तो उसमें रेलवे का सामान मिला। पति से इस संबंध में बात की और समझाने का प्रयास किया, लेकिन रेलवे को चुराए गए सामान लौटाने को राजी नहीं हुए। उल्टे धमकाने लगे कि जैसा मैं कहूं, तुम तो वैसा करो। इसलिए शिकायत की। शिकायत करने के बाद पति ने उसे पीटा भी।

नृशंसता की हदें पार... आयुष को बेरहमी से काटा

शव पर मिले इतने निशान, अहान के शरीर पर थे नौ जख्म

बदायूं । बदायूं कांड को अंजाम देने वाले कातिल साजिद ने दोनों मासूम भाइयों का बड़ी बेरहमी से कत्ल किया था। उसने दोनों का न केवल चाकू से गला रेता बल्कि शरीर पर अंधाधुंध वार किए थे। आयुष के शरीर पर चाकू के 14 वार उसके खुद को बचाने के लिए संघर्ष की ओर इशारा कर रहे हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, आयुष के शरीर पर 14 और अहान के शरीर पर नौ घाव मिले हैं। बुधवार सुबह करीब नौ बजे दोनों भाइयों के शव का पोस्टमार्टम कराया गया। हालांकि पोस्टमार्टम की तैयारी रात से ही शुरू हो गई थी। रात करीब एक बजे दो डॉक्टरों का पैनल गठित कर दिया गया था। इसमें डॉ. जीके गुप्ता और डॉ. श्रीपाल सिंह शामिल थे। दोनों बुधवार सुबह आठ बजे ही पोस्टमार्टम हाउस पहुंच गए। वीडियोग्राफी के बीच दोनों बच्चों के शव का पोस्टमार्टम किया गया।

बताया जा रहा है कि पोस्टमार्टम के दौरान आयुष के शरीर पर 14 घाव मिले हैं। मुख्य रूप से उसकी मौत गला रेतने की वजह से हुई थी। इसके अलावा उसकी गर्दन, कंधा, पीठ, हाथ, हथेली, पैर, पीठ आदि पर भी गहरे जख्म मिले हैं। अहान की भी गला रेतकर हत्या की गई थी। उसके शरीर पर कुल नौ घाव मिले हैं। दोनों भाइयों के शरीर पर चाकू से जिस तरीके से अंधाधुंध वार किए गए हैं, उससे साफ है कि हत्यारोपी उनके जिंदा बचने की कोई गुंजाइश न छोड़ने का इरादा लेकर ही आया था। हालांकि उसने दोनों बच्चों की हत्या क्यों की, इसका अभी पता नहीं चला है।

जावेद और साजिद को भइया जी कहते थे दोनों बच्चे

आयुष और अहान की हत्या के बाद बच्चों की दादी मुन्नी देवी ने कहा कि हत्या का कारण साफ होना चाहिए। पुलिस हमें बताए, हमारी गलती क्या है। क्यों घटना हुई। उन्होंने कहा कि आरोपी ने अपनी परेशानी बताई तो उसे हमारी बहू ने पांच हजार रुपये दिए। फिर भी उसने बच्चों की जान ले ली। अब पुलिस दूसरे आरोपी को गिरफ्तार करे और पूछताछ करे तो पूरा मामला खुले।

दादी मुन्नी देवी ने कहा कि आरोपी जावेद और साजिद के साथ रुपयों का लेनदेन उनकी जानकारी में नहीं है। बोलीं– अगर वह बेटे विनोद से रुपये ले जाते हैं, तो उन्हें पता नहीं। उन्होंने बताया कि पूरे मोहल्ले में उनकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं। बच्चे तो दोनों आरोपियों को भइया जी कहकर बुलाते थे। सामने ही दुकान थी। वहां बाल कटवाने बच्चे जाते थे तभी परिचय हुआ था। तभी सपर्क बना। उन्होंने बताया कि जब हत्या हुई वह वे कमरे में थीं। मझला नाती पीयूष छत पर जावेद के लिए पानी लेकर गया तो उसके मुंह से यही निकला अरे जावेद भईया ये क्या कर रहे हो? वह चीखा तो हत्यारे ने उसका मुंह दबाया तो इसने हाथ मारा पानी का गिलास छूटकर गिर गया। पीयूष नीचे आया और बोला– अरे अम्मा दादा को तो उसने हाथ काट दिया। फिर बोला–अरे अब ऊपर मत जाना। तब तक आरोपी नीचे आया। जाते वक्त उसके हाथ में चाकू नहीं दिखा था लेकिन जब नीचे आया तो हाथ में खून से सना चाकू था।

लोकसभा चुनाव: सपा देगी वरुण गांधी को टिकट ? रामगोपाल यादव ने साफ की स्थिति

फिरोजाबाद। लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी वरुण गांधी को टिकट देगी। इस सवाल पर रामगोपाल यादव ने स्थिति साफ कर दी है। उनके बयान से राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा हो गई है। सुहागनगरी फिरोजाबाद के शिकोहाबाद में सपा के चुनावी कार्यालय का उद्घाटन हुआ। इस मौके पर सपा के राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव मौजूद रहे। उन्होंने भाजपा को झूठ बोलने वाली पार्टी बताया. कहा कि भाजपा को हमेशा झूठ बोलती है। वह लोगों का ध्यान भटकाती है। कहा कि बीजेपी चुनाव से पहले हमेशा हिंसा कराती है।

बदायूं में दो बच्चों की हत्या को दुखदायी बताया। वहीं हत्यारों के एनकाउंटर पर कहा कि भारतीय जनता पार्टी की पुरानी रणनीति है, जब भी चुनाव आते हैं, भाजपा माहौल को दूषित करने का प्रयास करती है। ताकि समाज में वैमनस्यता पनपे। भाजपा मुद्दों से लोगों को ध्यान भटकाती है।

वरुण गांधी को टिकट देने पर कही ये बात

पीलीभीत सांसद वरुण गांधी को भाजपा से टिकट मिलने पर संशय पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। कहा कि यदि भाजपा उनका टिकट काटती है तो इस मामले में विचार–विमर्श किया जाएगा। हालांकि अभी तक वरुण गांधी से हमारी कोई बात नहीं हुई है। उनके 'विचार करने' के बयान के राजनीतिक विश्लेषक कई तरह के मायने निकाल रहे हैं। इससे राजनीतिक गलियारों में हलचल हो गई है।

चुनाव कार्यालय का शुभारंभ

बताते चलें कि शिकोहाबाद में पूर्व सांसद अक्षय यादव के चुनाव कार्यालय का शुभारंभ किया गया है। इस दौरान सपा के राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव के साथ समाजवादी पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

'मैं प्रेग्नेंट नहीं हूं, मुझे छोड़ दो नहीं तो...

दिल्ली। मीडिया पर छाई हुई हैं। ऐश्वर्या शर्मा का गुस्सा फूट पड़ा है। उन्होंने हाल ही में अपनी प्रेग्नेंसी की खबरों को लेकर चुप्पी तोड़ी है। पिछले कुछ दिनों से ऐश्वर्या शर्मा की प्रेग्नेंसी को लेकर कई तरह की बातें की जा रही थीं। ऐश्वर्या शर्मा हुईं नाराज और दी सफाई ऐश्वर्या शर्मा के पुराने वीडियोज पर कमेंट कर लोग उनसे तरह तरह के सवाल पूछ रहे थे और उन्हें परेशान भी कर रहे थे। अब ऐश्वर्या ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर पोस्ट कर अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर सफाई दी है और साथ ही अपनी नाराजगी भी जाहिर की है। ऐश्वर्या ने इंस्टा स्टोरी पर लिखी ये बात ऐश्वर्या शर्मा ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर लिखा है– मैं तीसरी बार चिल्ला चिल्ला कर कह रही हूं कि मैं प्रेग्नेंट नहीं हूं लेकिन किसी को समझ ही नहीं आ रहा है। मैं आप लोगों के मैसेजेस देखकर परेशान हूं। कयास लगाना बंद करो। मैं इंसान हूं। कभी मेरा भी ब्लड प्रेशर ड्रॉप होता है। आपकी जानकारी के लिए बता दूं कि मेरा लो बीपी हो गया था इसलिए मैं बेहोश हो गई थी। एल्विश यादव मामले में बड़ा अपडेट, यूट्यूबर के पिता ने खोल दी सबकी पोल, कहा– मेनका गांधी तो खुश...... ऐश्वर्या शर्मा की तबीयत ज्यादा बिगड़ गई थी आपको बता दें कि कुछ दिनों पहले खबर आई थी कि टीवी ऐश्वर्या शर्मा की तबीयत अचानक काफी ज्यादा बिगड़ गई थी। कहा जा रहा था कि एक्ट्रेस डांस प्रैक्टिस करने के दौरान स्टेज पर बेहोश हो गई थीं। ऐश्वर्या शर्मा की ऐसी हालत देखकर सभी लोग काफी परेशान हो गए थे। एक्ट्रेस ने लोगों को अपना हेल्थ अपडेट दिया था एक्ट्रेस के फैंस भी उनकी तबीयत को लेकर चिंता करने लगे थे। वहीं एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर अपना हेल्थ अपडेट दिया था। साथ ही लोगों को परेशान न होने के लिए भी कहा था। फिलहाल ऐश्वर्या के नए पोस्ट ने हंगामा मचा दिया है। होली स्पेशल शो शूट कर रही थीं ऐश्वर्या आपको बता दें कि जल्द ही कलर्स टीवी पर होली स्पेशल शो आने वाला है। इस होली स्पेशल शो में बिग बॉस 17 के सभी कंटेस्टेंट्स नजर आएंगे। शो का शूट चल रहा है जो अभी 5 दिनों तक और चलेगा। इसी एपिसोड के लिए सभी स्टार्स शूट कर रहे हैं। रंगों से सजी इस शाम को टीवी के फेवरेट कपल ऐश्वर्या शर्मा और नील भट्ट ही होस्ट करते नजर आएंगे।

तलाक के बाद एकसाथ दिखे सामंथा–नागा

एक दूसरे को देखकर भी किया इग्नोर, लेकिन फिर स्टेज पर..

दिल्ली। साउथ इंडस्ट्री की फेमस जोड़ी सामंथा रुथ प्रभु और नागा चैतन्य के तलाक को 3 साल हो चुके हैं। लेकिन इसके बावजूद फैंस दोनों को काफी पसंद करते हैं। अब हाल ही में दोनों का एक वीडियो सामने आया जिसमें एक ही इवेंट में ये कपल साथ नजर आया। दरअसल, सामंथा रुथ प्रभु ने वरुण धवन की फिल्म 'सिटाडेल हनी बनी' के रिलीज होने से पहले इवेंट में भाग लिया। वहीं दूसरी तरफ नागा चैतन्य ने अपनी वेब सीरीज 'धूथा' का जश्न मना रहे थे। जो कि ओटीटी पर रिलीज हुई थी। भले ही सालों बाद दोनों को एक ही इवेंट में साथ देखा गया लेकिन जानकारी के मुताबिक दोनों ने एकसाथ स्टेज साझा नहीं किया। बताया जा रहा है कि इस इवेंट में तमाम बॉलीवुड की बड़ी हस्तियां शामिल हुई थीं। जिसमें प्रियंका चोपड़ा, सूर्या, शाहिद कपूर, बॉबी देओल और तमन्ना भाटिया समेत कई कलाकार नजर आए। जानकारी के मुताबिक, सामंथा और नागा ने एक दूसरे इग्नोर करने की बहुत कोशिश की। दोनों ने कई भी एक दूसरे से बातचीत नहीं की और ना ही दोनों एक दूसरे के साथ स्टेज में दिखाई दिए। बेंदकपहंती डंलवत म्सममबजपवदः मेयर चुनाव पर सस्पेंस खत्म, भ्पही ब्वनतज ने तय की तारीख द्य वनइंडिया हिंदी बता दें कि, सामंथा रुथ प्रभु और नागा ने लंबे समय तक एक दूसरे को डेट करने के बाद साल 2017 में शादी की थी। लेकिन शादी के चार साल बाद ही ये कपल अलग हो गया। दोनों ने तलाक की घोषणा अपनी शादी की चौथी सालगिरह पर की थी। ये खबर सुनकर कपल के फैंस को भी बड़ा झटका लगा था। बता दें कि नागा से अलग होने के बाद सामंथा ने फिल्मों से लंबे समय का ब्रेक ले लिया था। अब वह जल्द ही फिर से फिल्मों में वापसी करने के लिए तैयार हैं। एक्ट्रेस अपनी अगली फिल्म सिटाडेल के इंडियन वर्जन में दिखाई देंगी। नागा चैतन्य साईं पल्लवी के साथ अपनी अगली फिल्म 'थंडेल' की तैयारी में बिजी हैं।

अलिजेह अग्निहोत्री ने बताया कौन हैं उनके पसंदीदा मामू

एंटरटेनमेंट डेस्क, नई दिल्ली। सलमान खान की भांजी अलिजेह अग्निहोत्री इन दिनों काफी सुर्खियों में बनी हुई हैं। उन्होंने पिछले साल फिल्म फर्रे से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। उनकी मूवी को क्रिटिक्स और दर्शकों से मिली–जुली प्रतिक्रिया मिली थी। अब हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में अपने पसंदीदा मामू के बारे में बात की और साथ ही यह भी बताया कि वह सलमान की फिल्म का निर्देशन भी करना चाहती हैं।

कौन हैं अलिजेह के पसंदीदा मामू

सीएनएन न्यूज18 के एक कार्यक्रम में अलिजेह से जब उनके पसंदीदा मामू के बारे में पूछा गया, तो एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि वह परिस्थिति के हिसाब से अलग–अलग खान ब्रदर्स के पास जाती हैं। अलिजेह ने बताया कि अगर मुझे खूब हंसना है, तो मैं सोहेल मामू के पास जाऊंगी, क्योंकि वह बहुत चुटकुले सुनाते हैं।

सलमान खान की भांजी अलिजेह अग्निहोत्री बॉलीवुड में अपना डेब्यू कर चुकी हैं। उन्होंने फिल्म फर्रे से बी टाउन में कदम रखा है। अब एक्ट्रेस ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बातचीत के दौरान खान ब्रदर्स को लेकर बात की है। साथ ही यह भी बताया है उनके पसंदीदा मामू कौन हैं और वो सलमान खान की मूवी का निर्देशन करना चाहती हैं।

शिखर नही बल्कि... क्या स्टार क्रिकेटर को डेट कर रही हैं जाह्नवी कपूर

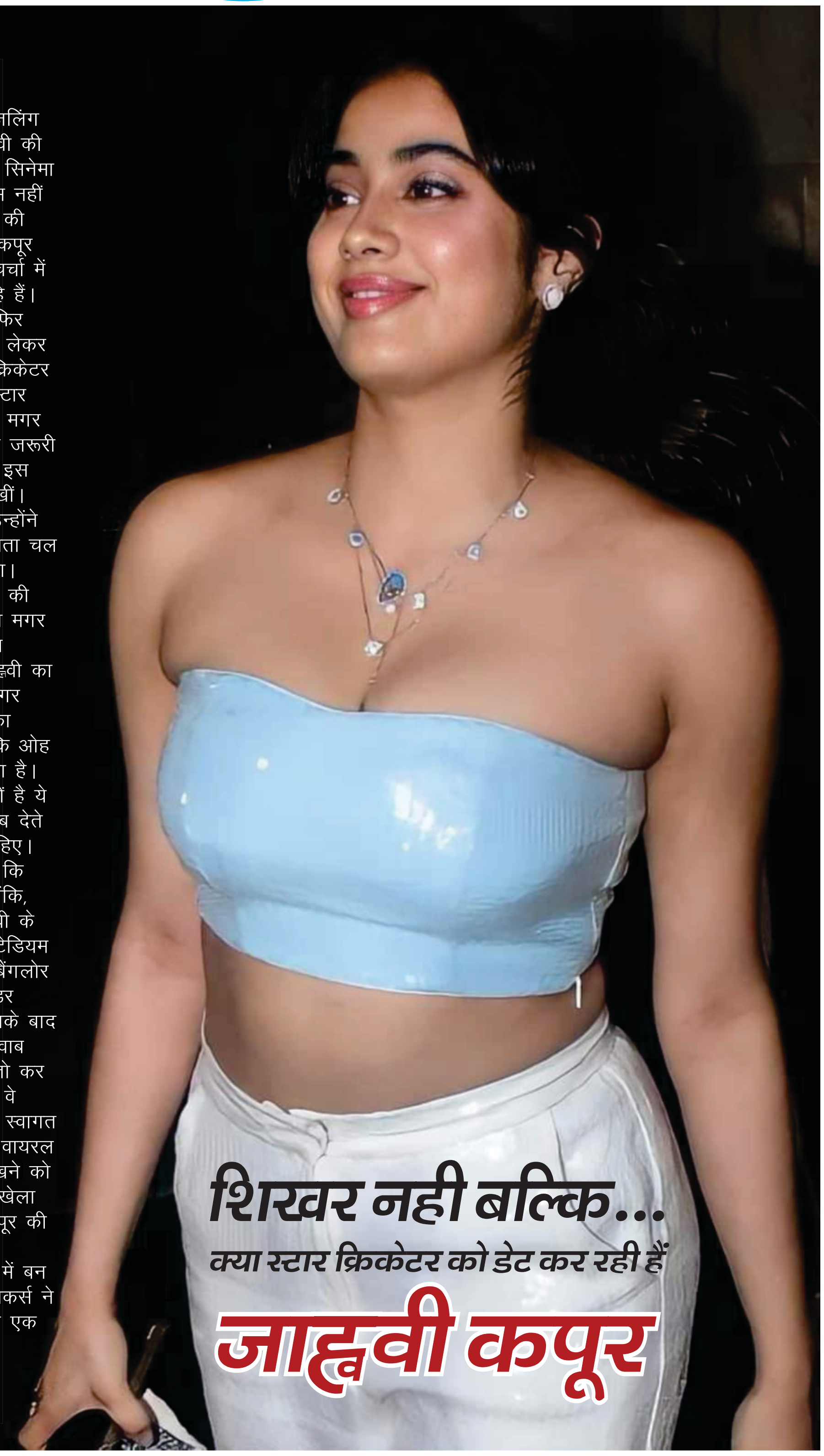

दिल्ली। जाह्नवी कपूर वे एक्ट्रेस हैं, जो अपनी सिजलिंग अदाओं से फैंस के दिलों पर राज करती हैं। जाह्नवी की फैन फॉलोइंग तगड़ी है। श्रीदेवी ने अपने समय में सिनेमा पर खूब जादू बिखेरा था मगर जाह्नवी भी कुछ कम नहीं हैं। मां के नक्शे कदमों पर चल रहीं जाह्नवी कपूर की अदाओं पर फैंस मर मिटते हैं। बीते दिनों जाह्नवी कपूर अपने रूमर्ड ब्वॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया को लेकर चर्चा में थीं। खबरें थी कि दोनों एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। हालांकि, जाह्नवी ने इस बारे में कभी खुलकर या फिर सामने आकर बात नहीं की। अब जाह्नवी कपूर को लेकर एक और बात सामने आ रही है कि किसी स्टार क्रिकेटर का दिल उनपर आ गया है। क्या है मामला? ये स्टार क्रिकेटर कोई और नहीं बल्कि कार्तिक अश्विन हैं। मगर इससे पहले कि आप कुछ सोचें, सच जानना बहुत जरूरी है। दरअसल, एक चैट इन दिनों खूब चर्चा में है। इस चैट में अश्विन की तारीफ जाह्नवी कपूर करती दिखीं। अश्विन अपनी तारीफ सुनकर रह नहीं पाए और उन्होंने हार्ट इमोजी बनाया। मगर जल्द ही क्रिकेटर को पता चल गया कि पूरा सच क्या है तो उनका दिल टूट गया। क्रिकेटर का टूट गया दिल बताते चलें कि अश्विन की पोस्ट पर जाह्नवी कपूर नाम से कमेंट तो जरूर था मगर ये एक्ट्रेस का पेरोडी अकाउंट था। क्रिकेटर ने जब तारीफ वाला कमेंट देखा तो बिना सोचे समझे जाह्नवी का नाम लिखा और फिर सीधे हार्ट इमोजी बनाया। मगर फिर एक फैन ने बताया कि अन्ना ये तो जाह्नवी का पेरोडी अकाउंट है। इसके बाद क्रिकेटर ने कहा कि ओह माय गॉड.. ऐसा है क्या। मेरा तो दिल ही टूट गया है। इसके बाद अकाउंट से रिप्लाई आया कि ऐसा नहीं है ये फेक अकाउंट नहीं है। इसके बाद अश्विन ने जवाब देते हुए कहा कि आपको ऐसा बिल्कुल नहीं करना चाहिए। क्योंकि इसमें पैरोडी लिखा हुआ है। मजेदार ये है कि आप असली हो। वायरल हुई दोनों की पोस्ट हालांकि, मज़ेदार बातचीत यहीं खत्म नहीं हुई। बल्कि जाह्नवी के पैरोडी अकाउंट ने 22 मार्च शुक्रवार को चेप्पॉक स्टेडियम चेन्नई में चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच टूर्नामेंट के ओपनर के लिए अकाउंट होल्डर बॉक्स टिकट के लिए अश्विन को थैंक्स कहा। इसके बाद भी अश्विन ने बातचीत जारी रखते हुए मजेदार जवाब दिया। अश्विन ने कहा कि वे कम से कम इतना तो कर ही सकते थे। अश्विन की बात करें तो हाल ही में वे राजस्थान कैंप में शामिल हुए हैं। उनका होटल में स्वागत हुआ, जिसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। अश्विन को एक शानदार सरप्राइज देखने को मिला। हाल ही में क्रिकेटर ने अपना 100वां टेस्ट खेला था। इस फिल्म में नजर आएंगी जाह्नवी जाह्नवी कपूर की बात की जाए तो श्रीदेवी और बोनी कपूर की बेटी नेशनल अवॉर्ड विनर सुधांशु सरिया के डायरेक्शन में बन रही फिल्म उलझ में नजर आने वाली हैं। फिल्म मेकर्स ने पिछले साल इस फिल्म की घोषणा की थी। उलझ एक शानदर थ्रिलर फिल्म है, जिसमें जाह्नवी के अलावा गुलशन देवैयार और रोशन मैथ्यू भी हैं।

क्या डेथ ओवर में पंजाब की नैया पार लगाएंगे 11.75 करोड़ के हर्षल

स्पोर्ट्स डेस्क। आईपीएल के 17वें सीजन का आगाज होने जा रहा है। इस सीजन के लिए अभी 21 मैचों का शेड्यूल जारी हुआ है। देश में इस साल होने वाले आम चुनावों के कारण आईपीएल का पूरा शेड्यूल जारी नहीं हुआ है। अभी 17 दिनों का कार्यक्रम सामने आया है। लोकसभा चुनाव की तारीखों के एलान के बाद बाकी बचे मैचों का शेड्यूल जारी किया जाएगा। पंजाब किंग्स ने नीलामी में कुछ ऐसे खिलाड़ियों पर बड़ी बोली लगाई, जिन्हें कहा जा रहा था कि वह इस बार कम कीमत पर बिक सकते हैं। पंजाब ने उन्हें भारी कीमत देकर उनकी किस्मत पलट दी। हर्षल पटेल और राइली रूसो वह खिलाड़ी हैं। हर्षल को खरीदने के लिए पंजाब ने 11.75 करोड़ रुपये चुकाए, जबकि शुरुआती सेट में नहीं बिकने वाले रूसो को एक्सलरेटेड सेट में आठ करोड़ रुपये देकर खरीदा। वहीं, पिछले तीन सीजन से खराब प्रदर्शन कर रही सनराइजर्स हैदराबाद की टीम में सबकी निगाहें 20.5 करोड़ रुपये पाने वाले पैट कमिंस पर होंगी। कमिंस को इस सीजन के लिए टीम का कप्तान भी नियुक्त किया गया है। अब देखने वाली बात यह होगी कि पिछले तीन सीजन में अंक तालिका में सबसे नीचे की टीमों में जगह पाने वाली सनराइजर्स टीम की किस्मत चमक पाती है या नहीं। आइए पंजाब और हैदराबाद टीमों के बारे में जानते हैं...

कप्तान : शिखर धवन

प्रमुख क्रिकेटर : शिखर धवन, जितेश शर्मा, सैम कुरेन, लियाम लिविंगस्टोन, जॉनी बेयरस्टो, हर्षल पटेल, अर्शदीप सिंह, कगिसो रबाडा, राहुल चाहर

ताकत : पंजाब किंग्स का गेंदबाजी आक्रमण बेहद मजबूत है। अर्शदीप, रबादा, सैम कुरेन, हर्षल और राहुल चाहर के रूप में उनके पास संपूर्ण आक्रमण मौजूद है।

कमजोरी : उच्च, मध्य और निचले क्रम की बल्लेबाजी में एकरूपता नहीं है। स्टार बल्लेबाजों का बल्लेबाजी क्रम निर्धारित करना चुनौती होगी। टीम के पास कुछ अच्छे खिलाड़ी हैं। इनमें क्रिस वोक्स शामिल हैं। वे शाहरुख खान को वापस खरीद सकते थे। उनके पास मध्यक्रम में अच्छे भारतीय बल्लेबाज की कमी है। हर्षल, रूसो और वोक्स के अलावा टीम ने बाकी सभी घरेलू खिलाड़ी खरीदे और वह भी 20 लाख की कीमत पर। वोक्स और हर्षल अपने वेरिएशन की वजह से टीम के लिए मददगार साबित हो सकते हैं। वहीं, लिविंगस्टोन के बैकअप के तौर पर रूसो फिट बैठेंगे।

रोल के हिसाब से पूरी टीम

सलामी बल्लेबाजः शिखर धवन (कप्तान), प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर)

मध्य क्रमः जॉनी बेयरस्टो (विकेटकीपर), रिली रोसो, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), लियाम लिविंगस्टोन, अथर्व तायडे, हरप्रीत भाटिया, आशुतोष शर्मा, शशांक सिंह।

ऑलराउंडरः ऋषि धवन, सैम करन, सिकंदर रजा, शिवम सिंह, क्रिस वोक्स, हर्षल पटेल, विश्वनाथ सिंह, तनय त्यागराजन।

तेज गेंदबाजः कागिसो रबाडा, नाथन एलिस, अर्शदीप सिंह, विद्वथ कावेरप्पा

स्पिनरः हरप्रीत बरार, राहुल चाहर, प्रिंस चौधरी

संभावित प्लेइंग–11

शिखर धवन (कप्तान), प्रभसिमरन सिंह, जॉनी बेयरस्टो, लियम लिविंगस्टोन, जितेश शर्मा, सैम करन, हर्षल पटेल, हरप्रीत बरार, कगिसो रबाडा, अर्शदीप सिंह, राहुल चाहर/अथर्व तायदे (इम्पैक्ट सब)।

सनराइजर्स के लिए कमिंस की मौजूदगी खिलाएगी गुल

कप्तानः पैट कमिंस

प्रमुख क्रिकेटरः पैट कमिंस, एडिन मार्करम, हेनरिक क्लासेन, मयंक अग्रवाल, भुवनेश्वर कुमार

ताकतः सनराइजर्स के लिए टीम में पैट कमिंस की मौजूदगी गुल खिला सकती है। वह बड़े खिलाड़ी है। उन पर दिल खोलकर पैसा भी लगाया गया है। क्लासेन की बल्लेबाजी का भी हैदराबाद को सहारा रहेगा। वह चले तो किसी भी टीम के छक्के छुड़ा सकते हैं।

कमजोरीः श्रीलंका के स्पिनर वानिंदु हसरंग लीग के शुरुआत में टीम के साथ मौजूद नहीं रहेंगे।

कमिंस के अलावा सनराइजर्स द्वारा वानिंदु हसरंगा को उनके बेस प्राइस पर खरीदना टीम के लिए बड़ी बात रही। ट्रेविस हेड भी बड़े खिलाड़ी रहे और वह शीर्ष क्रम में मयंक अग्रवाल या अभिषेक शर्मा की जगह ले सकते हैं। टीम के पास हालांकि, अभी भी कोई अच्छा मैच फिनिशर नहीं है और वह अब्दुल समद के बैकअप की तलाश कर सकते थे।

रोल के हिसाब से पूरी टीम

सलामी बल्लेबाजः ट्रेविस हेड, मयंक अग्रवाल, अभिषेक शर्मा, अनमोलप्रीत सिंह

मध्य क्रमः एडेन मार्कराम, राहुल त्रिपाठी, ग्लेन फिलिप्स, अब्दुल समद, हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), उपेंद्र यादव (विकेटकीपर)

ऑलराउंडरः मार्को यानसेन, वाशिंगटन सुंदर, सनवीर सिंह, नीतीश कुमार रेड्डी, शाहबाज अहमद

तेज गेंदबाजः पैट कमिंस, भुवनेश्वर कुमार, फजलहक फारूकी, टी नटराजन, उमरान मलिक, जयदेव उनादकट, आकाश सिंह।

स्पिनरः वानिंदु हसरंगा, मयंक मारकंडे, जे सुब्रमण्यन

संभावित प्लेइंग–11

ट्रेविस हेड, अभिषेक शर्मा/राहुल त्रिपाठी, एडेन मार्करम, हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, अब्दुल समद, पैट कमिंस, भुवनेश्वर कुमार, मयंक मारकंडे, टी नटराजन, उमरान मलिक।

आईपीएल का आगाज 22 मार्च से होने जा रहा है। पहले मैच में महेंद्र सिंह धोनी की चेन्नई सुपर किंग्स और फाफ डुप्लेसिस की रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीमें आमने–सामने होंगी। इस बार लगभग सभी टीमों को खिलाड़ियों की चोट की वजह से नुकसान हुआ है। कुछ टीमों ने रिप्लेसमेंट का एलान कर दिया है, वहीं कुछ इसके इंतजार में हैं।

आईपीएल की दो सबसे नई टीमें गुजरात टाइटंस और लखनऊ सुपर जाएंट्स भी खिलाड़ियों की चोट और अनुपलब्धता से जूझ रही है। गुजरात को मोहम्मद शमी के रूप में झटका लगा, जबकि हार्दिक पांड्या दूसरी टीम में चले गए। ऐसे में टीम इस सीजन शुभमन गिल के रूप में एक नए कप्तान के रूप में मैदान पर उतरेगी। वहीं, लखनऊ की टीम को मार्क वुड के रूप में झटका लगा। हालांकि, टीम ने वेस्टइंडीज के उभरते सितारे शमर जोसेफ को साइन कर अच्छा काम किया। इसके अलावा कोच एंडी फ्लावर और मेंटर गौतम गंभीर भी टीम का साथ छोड़ चुके हैं। इसके बावजूद दोनों टीमें मजबूत दिख रही हैं। आइए जानते हैं...

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

लीग के जरिए टी20 विश्व कप पर निशाना साधेंगे ये खिलाड़ी

स्पोर्ट्स डेस्क। एक जून से वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी–20 विश्व कप के लिए टीम का चयन एक मई से पहले होना है। सूत्रों की मानें तो चयन समिति टीम की रूपरेखा तैयार कर चुकी है, लेकिन कुछ क्रिकेटरों के प्रदर्शन को चयनकर्ता आईपीएल में परखेंगे। क्रिकेटरों के लिए आईपीएल हमेशा खास रहा है, लेकिन इस बार बात कुछ अलग होगी।

प्रमुख भारतीय क्रिकेटरों की निगाहें खिताब के साथ टी–20 विश्व कप की टीम पर भी होंगी। खासतौर पर विराट कोहली, वापसी कर रहे ऋषभ पंत, विवादों में चल रहे ईशान किशन, राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन, इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में प्रभाव छोड़ने वाले ध्रुव जुरेल, लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल, लखनऊ के रवि बिश्नोई, केकेआर के रिंकू सिंह, लखनऊ सुपरजाएंट्स के कप्तान केएल राहुल, सीएसके के ऑलराउंडर शिवम दुबे, पंजाब के विकेटकीपर–बल्लेबाज जितेश शर्मा अपने प्रदर्शन से चयनकर्ताओं को प्रभावित करने की कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। इन क्रिकेटरों का आईपीएल के पहले चरण में दिखाया गया प्रदर्शन अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति को आकर्षित करने का काम करेगा।

विराट पर होंगी निगाहें

एक जून से वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी–20 विश्व कप के लिए टीम का चयन एक मई से पहले होना है। सूत्रों की मानें तो चयन समिति टीम की रूपरेखा तैयार कर चुकी है, लेकिन कुछ क्रिकेटरों के प्रदर्शन को चयनकर्ता आईपीएल में परखेंगे।

इनमें 117 टी–20 मैचों में 4037 रन बनाने वाले विराट कोहली भी शामिल हैं। विराट ने अपना अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय अफगानिस्तान के खिलाफ 17 जनवरी को बेंगलुरु में खेला था, जिसमें वह शून्य पर आउट हुए थे।

बीसीसीआई के सचिव जय शाह विश्व कप में रोहित शर्मा को टीम का कप्तान बनाए जाने की घोषणा पहले ही कर चुके हैं, लेकिन उन्होंने विराट कोहली पर संतोषजनक जवाब नहीं दिया था। विराट आरसीबी के लिए इस आईपीएल में जबरदस्त पारियां खेलकर टीम में चयन पुख्ता कर सकते हैं।

विकेटकीपर–बल्लेबाजों में सबसे ज्यादा होड़

चयन के लिए सबसे ज्यादा होड़ विकेटकीपर–बल्लेबाजों में है। इसमें दिल्ली के कप्तान पंत भी कूद पड़े हैं। ध्रुव जुरेल, जितेश शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन और केएल राहुल भी इस होड़ में शामिल हैं। टीम में दो विकेटकीपर–बल्लेबाज भी चुने जा सकते हैं।

ईशान के बारे में कोच राहुल द्रविड पहले ही कह चुके हैं कि उन्हें अपने प्रदर्शन से चयनकर्ताओं पर दबाव बनाना होगा। हालांकि, रणजी मैच नहीं खेलने पर उन्हें केंद्रीय अनुबंध से बाहर किया जा चुका है, लेकिन वह बोर्ड को अपने प्रदर्शन से करार जवाब देने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। इसी तरह श्रेयस अय्यर और ऋतुराज गायकवाड़ भी अपने प्रदर्शन से चयन का दावा ठोकेंगे।

राहुल को अच्छे प्रदर्शन इनाम विश्व कप टीम में चयन का मिलेगाः लैंगर

लखनऊ सुपरजाएंट्स के कोच जस्टिन लैंगर ने कहा– अगर टीम (लखनऊ) अच्छा करती है तो सभी को इसका इनाम मिलेगा। अगर केएल (राहुल) कप्तान के तौर पर लखनऊ को आईपीएल का खिताब दिलाते हैं तो इसका मतलब यह हुआ कि उन्होंने अच्छी कप्तानी, विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी की होगी। केएल की तरह टी–20 विश्व कप की टीम के लिए रवि बिश्नोई के भी अवसर बढ़ेंगे।

विश्व कप टीम में विराट को हर कोई रखना चाहेगाः स्मिथ

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर स्टीव स्मिथ ने कहा– विराट दबाव वाली स्थितियों में खेलने से प्यार करते हैं। वह ऐसे क्रिकेटर हैं जिसे विश्व कप जैसे दबाव वाले टूर्नामेंट की टीम में हर कोई रखना चाहेगा।

यहां आपको ऐसे अनुभवी क्रिकेटर की जरूरत होती है जो दबाव वाली स्थितियों का सामना कर सके और विराट उनमें से एक हैं। वह परिस्थितियों के अनुसार खेलते हैं, जहां स्ट्राइक रेट का बहुत ज्यादा होना मायने नहीं रखता है।